दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

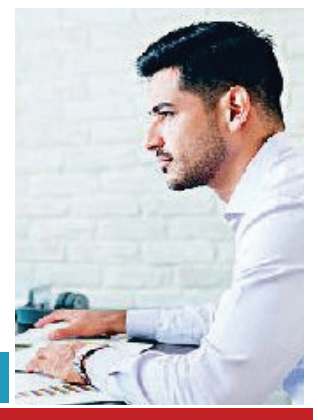

79 वां स्थापना दिवस आजादी की .....

तब नई पीढ़ी भी समझेगी.....

वर्ष : 11 | अंक : 233 | लखनऊ, 11 अगस्त, सोमवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल्द तीसरे नंबर पर पहुंचेंगे : पीएम मोदी

बेंगलुरु से प्रधानमंत्री ने ट्रंप को सुना दिया

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15,610 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना की कुल लंबाई 44 किलोमीटर से अधिक होगी और इसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है।

हम बेंगलुरु को नए भारत के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी मानचित्र पर गर्व से स्थापित किया है। बेंगलुरु की उल्लेखनीय सफलता की कहानी के पीछे प्रेरक शक्ति इसके लोगों की असाधारण प्रतिभा और सरलता है। बीते समय में बेंगलुरु के लिए भारत सरकार की ओर हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू की गई हैं। आज इस अभियान को नई गति मिल रही है। आज बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का शुभारंभ हुआ है। मेट्रो फेज-3 आधारशिला भी रखी गई है। साथ ही देश के अलग अलग हिस्सों के लिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई है। बेंगलुरु से बेलगावी के बीच वंदे भारत की सेवा शुरू हुई है। इससे बेलगावी के व्यापार और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नागपुर से पुणे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बेंगलुरु आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं की सफलता... सीमापार कई किलोमीटर भीतर आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की ताकत... और आतंकवादियों के बचाव में उतरे पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटनों पर लाने की हमारी क्षमता... पूरी दुनिया ने नए भारत के इस स्वरूप के दर्शन किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ी वजह हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु और कर्नाटक के युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल कळ मैप पर भारत का परचम लहराया है।

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगी राज्य सरकार : योगी आदित्यनाथ

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार गंभीर बीमारियों के इलाज कराने में उनकी पूरी मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी, उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

योगी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उसकी अनुमानित लागत तैयार करने की प्रक्रिया पूरी कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। एक महिला की गुहार पर उन्होंने अफसरों को उक्त महिला को जमीन का पट्टा देने का निर्देश दिया।

मौसम अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

ऑपरेशन सिंदूर किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था : थलसेना प्रमुख

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था और यह शतरंज की बाजी जैसा था क्योंकि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मद्रास में एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के जवाब में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर मई में की गई भारत की निर्णायक सैन्य कार्रवाई की जटिलताओं को याद किया। जनरल द्विवेदी ने इसे शतरंज की बाजी बताया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में हमने शतरंज की बाजी खेली। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। इसे हम ग्रे जोन कहते हैं। ग्रे जोन का मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे, लेकिन हम कुछऐसा कर रहे हैं जो पारंपरिक ऑपरेशन से थोड़ा हटकर हो। उन्होंने कहा, पारंपरिक ऑपरेशन का मतलब है, सबकुछ लेकर जाओ, जो कुछ आपके पास है उसे ले जाएं और अगर आप वापस आ सकते हैं तो वापस आ जाएं, नहीं तो वहीं रहें। इसे पारंपरिक तरीका कहा जाता है। यहां, ग्रे जोन का मतलब है कि हर क्षेत्र में होने वाली कोई भी गतिविधि, हम इसी के बारे में बात कर रहे हैं और ऑपरेशन सिंदूर ने हमें सिखाया कि यही ग्रे जोन है। सेना प्रमुख ने कहा, हम शतरंज की बाजी खेल रहे थे और वह (दुश्मन) भी शतरंज की चालें चल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे, तो कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी उसे मात देने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जिंदगी का यही मतलब है।

भाजपा भ्रष्टाचार का विश्वविद्यालय है और चुनावी भ्रष्टाचार का ब्रह्मांड विद्यालय : अखिलेश यादव

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए उसे भ्रष्टाचार का विश्वविद्यालय और चुनावी भ्रष्टाचार का ब्रह्मांडविद्यालय करार दिया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, भाजपा भ्रष्टाचार का विश्वविद्यालय है और चुनावी भ्रष्टाचार का ब्रह्मांडविद्यालय।

यादव ने कहा, हकमारी और मतमारी से भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने का जो षड्यंत्र रच रही है, हम सब मिलकर उसे कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने आम जनता को समझते हुए दावा किया, भाजपा कुछ लोगों की मिलीभगत से कभी अपने समर्थक फर्जी मतदाताओं का नाम बढ़ा देती है।

यादव ने कहा, भाजपा सत्ता सजातीय अधिकारियों की साठगांठ से कभी अपने विरोधी मतदाताओं का नाम कटा देती है। भाजपा बूथ पर अपने चुनिंदा लोगों को सेट करके फर्जी वोट डालने का टारगेट देती है। सपा प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा बंदूक तानकर कभी मत डालने से रुकवाती है। भाजपा अपने समर्थकों से कई-कई वोट डलवाती है। भाजपा अपने समर्थकों के नकली आईडी बनवाकर अपने लिए फर्जी मतदान करवाती है। यादव ने तीखा हमला करते हुए कहा, भाजपा फोर्स लगाकर कभी ईवीएम बदलवा देती है। भाजपा कभी सीसीटीवी के सामने, अपने विरुद्ध डाले गये मतों को खारिज भी करवाती है। भाजपा डीएम से कभी जीत का सर्टिफिकेट भी बदलवाती है। मतदाता कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।

संक्षिप्त समाचार

हाथरस में ट्यूबवेल पर नहाते समय दो सगे भाइयों की करंट लगने से मौत

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

हाथरस , हाथरस जिले के सादाबाद थाना क्षेत्र के गढ़ी राधे गांव में ट्यूबवेल पर नहाते समय करंट लगने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे उस समय की है जब योगेश (38) और उसका बड़ा भाई हीरेश (45) अपने खेत में ट्यूबवेल पर नहा रहे थे। उसने बताया कि नहाने के बाद योगेश बिजली के तार के संपर्क में आ गया और उसे संकट में देखकर हीरेश मदद के लिए दौड़ा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया।

बिना नोटिस के किसी भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा

बिहार एसआईआर मामले को लेकर चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत में दाखिल किया हलफनामा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बिहार में किसी भी पात्र मतदाता का नाम 1 अगस्त को प्रकाशित मतदाता सूची से बिना किसी पूर्व सूचना, सुनवाई का अवसर और उचित आदेश के नहीं हटाया जाएगा। चुनाव वाले बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में शनिवार को शीर्ष अदालत में दायर एक नए हलफनामे में आयोग ने आश्वासन दिया कि अंतिम सूची में प्रत्येक पात्र मतदाता को शामिल करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं, और चल रहे एसआईआर के दौरान गलत तरीके से नाम हटाने को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। यह हलफनामा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा 65 पात्र मतदाताओं के गलत तरीके से नाम हटाने का आरोप लगाने के बाद आया है। 6 अगस्त को, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था, जिस पर 13 अगस्त को सुनवाई होनी है।

चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा नीतिगत तौर पर और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करते हुए, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम हटाए जाने से पहले निम्नलिखित बातें नहीं कही जाएंगीः (ं) संबंधित मतदाता को प्रस्तावित नाम हटाने और उसके कारणों को बताते हुए पूर्व सूचना जारी करना, (ं) सुनवाई का उचित अवसर देना और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करना, और (ं) सक्षम प्राधिकारी द्वारा तर्कपूर्ण और स्पष्ट आदेश पारित करना।' इन सुरक्षा उपायों को प्रासंगिक नियमों के तहत निर्धारित एक मजबूत दो-स्तरीय अपील तंत्र द्वारा और सुदृढ़ किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक मतदाता के पास किसी भी प्रतिकूल कार्रवाई के खिलाफ पर्याप्त सहारा हो।

चुनाव आयोग ने आगे कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय कर रहा है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रहे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को महत्व देने और निर्यात बढ़ाने की जरूरत : गडकरी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि आज की दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि उनके पास प्रौद्योगिकी है और वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं। गडकरी ने यहां स्थित विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएनआईटी) में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के निर्यात को बढ़ाने और आयात को कम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। गडकरी ने कहा, अगर हमारे निर्यात और अर्थव्यवस्था की दर बढ़ती है, तो मुझे नहीं लगता कि हमें किसी के पास जाने की जरूरत पड़ेगी। जो लोग दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास प्रौद्योगिकी है। अगर हमें बेहतर प्रौद्योगिकी और संसाधन मिल जाएं, तो हम किसी पर धौंस नहीं जमाएंगे, क्योंकि हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि विश्व का कल्याण सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं और इन सभी समस्याओं का समाधान विज्ञान और प्रौद्योगिकी है, अर्थात ज्ञान, जो एक शक्ति है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि भारत को विश्वगुरु बनना है तो निर्यात बढ़ाना और आयात कम करना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद कर्नाटक के लिए रेल बजट नौ गुणा बढ़ा दिया: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक का रेल बजट 2014 से पहले के 835 करोड़ रुपये से बढ़कर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 7,500 करोड़ रुपये हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन को हरी झंडी दिखाये जाने के बाद वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य को 2014 से पहले केवल 835 करोड़ रुपये मिल रहे थे। मोदी की बदौलत अब उसे 7,500 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। साथ ही, कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। हम अमृत भारत योजना के तहत राज्य में 61 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहे हैं।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की वेबसाइट के अनुसार, अमृत भारत

स्टेशन योजना विभिन्न चरणों में रेलवे स्टेशनों को उन्नत करने की एक दीर्घकालिक योजना है। उसमें हर स्टेशन के लिए आवश्यकता के आधार पर उसे विकसित करने की योजना शामिल हैं। वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में बहुत ही तीव्र वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में हमारा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में निर्यात आठ गुना बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। वैष्णव ने कहा, ग्यारह साल पहले, कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से कर्नाटक समेत पूरे देश को लाभ हुआ है। विकसित भारत 2047 भारत सरकार का 2047 में अपनी स्वतंत्रता शताब्दी तक देश को विकसित बनाने की दिशादृष्टि है। वैष्णव ने कहा, अगर भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता बन गया है, तो नम्मा बेंगलुरु में देवनहल्ली एक प्रमुख आईफोन निर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

निजी स्कूलों में फीस के विनियमन से संबंधित विधेयक से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी: गुप्ता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रत्येक बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है और निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए हाल में पारित विधेयक से संस्थान अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगे। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में पारित किए गए दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 का उद्देश्य मनमानी फीस वृद्धि को रोकना और निजी स्कूलों को वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों समेत समाज के सभी वर्गों के बच्चों के लिए सुलभ बनाना है। गुप्ता ने कहा, दिल्ली में 1,733 निजी स्कूल हैं, जिनमें से लगभग 300 को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने रियायती दरों पर जमीन दी है। उन्होंने कहा, नए कानून के तहत, शिक्षा निदेशक के पास उप-मंडल मजिस्ट्रेट के बराबर अधिकार होंगे, जो नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई कर सकेंगे। इन कार्रवाइयों में बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाना और संपत्ति कुर्क करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रत्येक बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है और निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए हाल में पारित विधेयक से संस्थान अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगे।

5 लाख का वादा, 5 हजार की थमाई मदद, उत्तरकाशी में फूटा पीड़ित परिवारों का गुस्सा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में आई अचानक बाढ के बाद, धराली गांव के लोगों ने सरकार से मिली 5,000 रुपये की तत्काल सहायता राशि को लेने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि इस भयंकर आपदा में हुए भारी नुकसान को देखते हुए यह राशि 'नाकाफी' है। धराली और हर्षिल के बाढ प्रभावित परिवारों को यह सहायता 'तत्काल राहत' के तौर पर दी गई थी, लेकिन ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार पर उनके नुकसान को कम आंकने का आरोप लगाया है। इस मामले में, उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने बताया कि 5,000 रुपये की यह राशि सिर्फ एक शुरूआती मदद है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नुकसान का पूरा आकलन होने और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार होने के बाद, प्रभावितों को सही मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन परिवारों के लिए 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है जिनके घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। इसके अलावा, आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों को भी इतनी ही राशि दी जाएगी। सरकार ने राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक तीन-सदस्यीय समिति बनाई है, जो पुनर्वास और आजीविका की बहाली के लिए एक योजना तैयार करेगी। इसकी शुरूआती रिपोर्ट एक हफ्ते के भीतर सौंप दी जाएगी। इस बीच, बचाव कार्य पांचवें दिन भी जारी रहा। हेलीकॉप्टरों से फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और दूरदराज के इलाकों में खाने के पैकेट पहुंचाए गए। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने डॉग स्क्वॉड और थर्मल इमेजिंग उपकरणों की मदद से धराली बाजार में मलबा हटाने का काम किया, जहां मंगलवार को भूस्खलन के कारण कई होटल, होमस्टे और दुकानें पूरी तरह से बर्बाद हो गई थीं।

कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए हुई भाजपा की बैठक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । सरोजनीनगर दक्षिण मंडल 1 की सोशल मीडिया की बैठक मण्डल कार्यालय मै हुई। बैठक मे सोशल मीडिया के संयोजक मोहन भटट ने विस्तार पूर्वक आगमी संघठन द्वारा आने वाले अभियानो एवं कार्यक्रमों को सरल ऐप्प मे अपलोड करना, टीम को कैसे मजबूत किया जाये, सेक्टर तक पुनः टीम का गठन करना, नये ऊजावर्वान कार्यकर्ताओ को टीम मे शामिल करना, हर बूथ अध्यक्ष को सरल एप्प अपलोड कराना एवं उनको सरल ऐप्प के बारे मे बताना, विधायक राजेश्वर सिंह , योगी जी, नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, मेयर सुषमा खार्कवाल के फेसबुक ट्विटर को शेयर लाइक एवं कमेंट करना, मण्डल का फेसबुक एवं ट्विटर आकउंट बनाना, जैसी महत्व पूर्ण जानकरी दी।

विधानसभा के संयोजक मोहन भटट को मण्डल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव ने पटका पहना कर एवं प्रभु श्रीराम जी का चित्र प्रदान किया इस उपलक्ष्य मे मण्डल के महामंत्री राजन गुप्ता जी मण्डल के पदाधिकारी एवं सोशल मीडिया की पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

विधायक राजेश्वर ने निभाया वादा, बुजुर्ग महिला के आग्रह पर 60 श्रद्धालुओं को कराया अयोध्या दर्शन

60 श्रद्धालु पहुँचे रामलला के द्वार, 'रामरथ' बनी खुशियों की सवारी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा के समग्र विकास के साथ-साथ क्षेत्रवासियों की सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की अनुपम सामाजिक पहल 'रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा' ने रविवार को अपनी 45वीं यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। इस विशेष अवसर पर कूढ़ा ईंटगाँव से 60 श्रद्धालुओं, जिनमें अधिकांश बुजुर्ग और महिलाएं शामिल थीं, को अयोध्या धाम के श्रीरामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। यात्रा के दौरान भोजन, जलपान, प्रसाद और अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं की संपूर्ण व्यवस्था विधायक की टीम द्वारा निःशुल्क की गई।

वादा निभाने की मिसाल :

02 अगस्त को कूढ़ा ईंटगाँव की एक बुजुर्ग महिला ने विधायक से अपने गाँव के लोगों के लिए 'रामरथ' यात्रा की मांग की थी। विधायक ने तत्काल स्वीकृति दी और ग्रामीणों के अनुरोध पर रक्षाबंधन पर्व के बाद यात्रा का आयोजन सुनिश्चित किया। इस संवेदनशील पहल ने गाँववासियों के दिलों में विशेष स्थान बना दिया।

यात्रा के भावनात्मक क्षण :

अयोध्या पहुंचते ही श्रद्धालुओं ने रामलला के दिव्य दर्शन किए और भावविभोर हो उठे। यात्रा के समापन पर सभी महिला तीर्थयात्रियों को विधायक द्वारा रक्षाबंधन उपहार स्वरूप साड़ी भेंट की गई। पूरी यात्रा के दौरान स्वयंसेवकों ने बुजुर्गों और श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान रखा, ताकि किसी को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जनसेवा का पूरा होता संकल्प :

'रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा' के अंतर्गत हर महीने एक से दो बार निःशुल्क बस सेवाएं चलाई जाती हैं, जिनका सम्पूर्ण व्यय स्वयं डॉ. राजेश्वर सिंह वहन करते हैं। इस यात्रा का उद्देश्य उन वृद्धजनों और महिलाओं को तीर्थदर्शन कराना है, जिनके लिए यह स्वप्न मात्र रह जाता है। इस सम्बन्ध में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है, 'वृद्धजनों को तीर्थयात्रा करवाना मेरे लिए सौभाग्य और पुण्य का अवसर है। उनके चेहरे पर दर्शन के बाद की खुशी और संतुष्टि ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। 'रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा' की सफलता माता तारा सिंह की प्रेरणा, क्षेत्रवासियों के आशीर्वाद और सभी के सहयोग का परिणाम है। यह सेवा यात्रा आगे भी अनवरत जारी रहेगी।'

रिक्शा में सफर कर रही महिला का बैग चोरी

अमन लेखनी समाचार

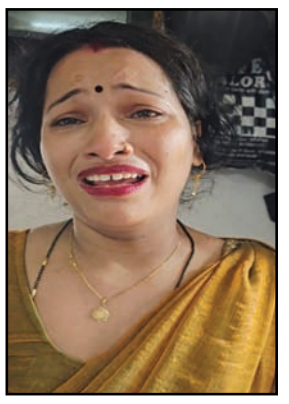

मोहनलालगंज। रक्षाबंधन का त्यौहार मनाकर मायके से ससुराल लौट रही एक महिला का बैग अज्ञात उचक्कों ने पार कर दिया बैग में लगभग 20 हजार रुपये नकद और चांदी के जेवरात रखे थे रायबरेली जिले के बछरावा थाना क्षेत्र के हसनगंज की रहने वाली लवली गुप्ता ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपने पति रीतेश गुप्ता और बच्चों के साथ मोहनलालगंज क्षेत्र के खुजौली गांव स्थित मायके आई थीं भाई ने उन्हें पूर्व में लिया उधार 20 हजार रुपये लौटा दिए रविवार को पति पीजीआई दवा लेने चले गए, जबकि वह अकेले ई-रिक्शा से मोहनलालगंज कस्बे के लिए रवाना हुईं कस्बे में उतरने के बाद जब उन्होंने सामान चेक किया तो पैसों और बच्चों की चांदी की जंजीरों से भरा बैग गायब मिला इसकी जानकारी उन्होंने तत्काल कस्बा चौकी में मौजूद पुलिसकर्मियों को दी सूचना पर पहुंचे पति ने लिखित शिकायत दर्ज कराई

मोहनलालगंज चौकी प्रभारी अतुल सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है वहीं थानाप्रभारी दिलेश कुमार सिंह के अनुसार खुजौली से मोहनलालगंज के बीच लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों का सुराग मिल सके।

लखनऊ में पीजीआई पुलिस ने शांति भंग मामले में 19 लोगों को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। थाना पीजीआई क्षेत्र में पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने वाले 19 लोगों को दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी विभिन्न स्थानों पर हुड़दंग और मारपीट कर माहौल बिगाड़ रहे थे। उच्चाधिकारियों के आदेश पर चली इस कार्रवाई में सभी को धारा 170/126/135 बीपीएसएस के तहत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में 23 सदस्यीय पुलिस टीम ने यह अभियान चलाया। पुलिस का कहना है – 'शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।'

आशियाना में युवती से ठगे 28000, केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ के आशियाना इलाके में एक युवती के साथ फोन पर ठगी का मामला सामने आया है। माली टोला बंगला बाजार निवासी जिज्ञासा वर्मा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि गुरुवार को उन्हें एक अनजान व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को जिज्ञासा का रिश्तेदार बताया और बातों में उलझाकर उनसे 28,000 रुपए ठग लिए। पीड़िता ने अपनी शिकायत में उस खाते की जानकारी भी संलग्न की है जिसमें उनका पैसा ट्रांसफर हुआ। जिज्ञासा ने इस मामले की शिकायत पहले साइबर क्राइम सेल में भी दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी तहरीर में साइबर क्राइम में दर्ज शिकायत का नंबर भी उल्लेख किया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। अधिकारी अब ठग के बैंक खाते की जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रहे हैं।

हम सभी को आजादी के बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए : श्याम लाल पाल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।काकोरी ट्रेन एक्शन काण्ड की 100 वीं वर्षगांठ एवं अगस्त क्रान्ति दिवस के अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित बड़ी संख्या में सपा नेताओं ने काकोरी शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

शहीद स्मारक काकोरी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि पवित्र रक्षाबंधन के अवसर पर आज लखनऊ में 'काकोरी ट्रेन एक्शन पर भारत की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को नमन एवं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्याम लाल पाल ने कहा कि क्रान्तिकारियों द्वारा चलाये गये स्वतंत्रता आन्दोलन को गति देने के लिए धन की आवश्यकता थी, इसलिए क्रान्तिकारी पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफाक उल्ला खान, पंडित चन्द्रशेखर आजाद, ठाकुर रोशन सिंह, राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी ने अन्य सहयोगियों की सहायता से काकोरी रेलवे स्टेशन के पास 9 अगस्त 1925 को ट्रेन की चेन खींचकर अत्याचारी बरतानिया हुकूमत का देशवासियों से लूटकर इकट्ठा किया खजाना छुड़ा लिया। जिसके बाद कुछ गद्दारों की मुखबरी से क्रान्तिकारी पकड़ लिये गये। हम सभी को आजादी के बलिदानियों के बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। आज हम सभी समाजवादी यह प्रण लें कि समाजवाद के रास्ते पर चलते हुए देश में सामाजिक समरसता, भाईचारा, एकीकरण को बढ़ावा देंगे। साथ ही पीडीए के अधिकारों का दमन करने वाली भाजपा सरकार को 2027 में उखाड़ फेकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत, सांसद आरके चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, प्रदेश सचिव राशिद अली, रूप नारायण यादव, जिला निर्वाचन प्रभारी टीबी सिंह, पूर्व चेयरमैन नजमी खान, पूर्व विधायक प्रत्याशी राजबाला रावत, उपाध्यक्ष विजयश्री गौतम, प्रधान संघ अध्यक्ष काकोरी आनंद यादव, जिला उपाध्यक्ष शायन अख्तर अल्वी, बचान सिंह यादव, मोहम्मद इब्राहीम मंसूरी, ओपी यादव, जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान ,विधानसभा अध्यक्ष सोनीश मौर्या, चौधरी मुलतान सिंह यादव, अजय सिंह चौहान, उपाध्यक्ष विजयश्री गौतम ,लाला रमीज खान, मोईन खान, रामनाथ रावत, रहमत अली, मोहम्मद कामिल, कृष्ण कुमार उर्फ पप्पू यादव, मोहम्मद हारून अजीज, ललित यादव, वीर सिंह यादव, अंगूर अहमद, इशाक गाजी, राम नारायण रावत, फिरोज खान सन्नू, दशरथ यादव, मनोज पाल, लालाराम यादव, मोहम्मद कय्यूम, रवींद्र यादव, अजय यादव, सत्येन्द्र वर्मा, मनीष यादव, जय सिंह यादव सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्पदंश से महिला की मौत, चार वर्षीय पुत्र का रो-रोकर बुरा हाल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। नगराम थाना क्षेत्र में रविवार को 24 वर्षीय विवाहिता की सर्पदंश से मौत हो गई चार वर्षीय मासूम की मां को यूं अचानक खो देने से पूरा परिवार गहरे सदमे में है मायके व ससुराल पक्ष की आपसी सहमति से बिना पोस्टमार्टम कराए ही महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मायके पक्ष ने पोस्टमार्टम से किया इंकार, आपसी सहमति से हुआ अंतिम संस्कार.....

घटनाक्रम नगराम थाना अहिरनखेड़ा मजरा कमालपुर विचलिका निवासी दुर्गेश कुमार गौतम की पत्नी चांदनी (24) शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे घर के कमरे में रखे फ्रिज के नीचे सफाई कर रही थीं इसी दौरान अचानक एक सर्प ने उन्हें काट लिया चांदनी को सर्पदंश का आभास नहीं हुआ लेकिन कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी तब उन्होंने मोहल्ले की कुछ महिलाओं को अपनी परेशानी बताई घटना के समय घर के सभी पुरुष और महिलाएं धान की निराई में खेतों में व्यस्त थे सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में चांदनी को मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखकर उन्हें सिविल अस्पताल रेफर कर दिया सिविल अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने चांदनी को मृत घोषित कर दिया मायके पक्ष ने पोस्टमार्टम कराने से साफ इंकार कर दिया दोनों पक्षों की आपसी सहमति के बाद रविवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया मृतका अपने पीछे 4 वर्षीय पुत्र काव्यांश को छोड़ गई हैं इस दर्दनाक घटना के बाद गांव में शोक की लहर है और हर कोई इस असमय मौत से व्यथित है।

सड़को पर 'स्पीड का कहर', महिला समेत आठ घायल, कई ट्रॉमा सेंटर रेफर

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर सड़कों पर स्पीड और लापरवाही ने कहर बरपा दिया शनिवार को दिनभर अलग-अलग जगहों पर पांच सड़क हादसों ने आठ परिवारों की खुशियों में मातम घोल दिया महिला समेत आठ लोग घायल हो गए जिनमें कई की हालत नाजुक है और उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है पुलिस ने सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना निगोहां थाने के ठीक सामने हुई, जहां दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में निगोहां निवासी शीबू (22), उसकी बहन रीता (32) और मोबिन (35) घायल हो गए शीबू की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया भगवानपुर मोड़ पर डाले की टक्कर से महिला जख्मी वही दूसरी घटना भगवानपुर मोड़ पर हुई जहां एक डाले ने बछरावां निवासी रामकली (42) को टक्कर मार दी घायल महिला का इलाज निजी अस्पताल में जारी है शनिवार देर रात मस्तीपुर गांव के पास मदाखेड़ा मंदिर से लौट रहे मजदूर सुजीत कुमार (26) को एक तेज रफ्तार वैन ने टक्कर मार दी गंभीर रूप से घायल सुजीत को सीएचसी से ट्रॉमा सेंटर भेजा गया उतरावां पुलिया पर टक्कर के बाद महिला नहर में गिरी चौथी घटना उतरावां पुलिया के पास हुई जहां दो बाइकों की टक्कर में डीहा निवासी रईस की पत्नी रेशमा नहर में जा गिरी उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है पांचवीं घटना सुदौली मोड़ पर हुई जहां कांटा करौंदी निवासी नन्हकाऊ की बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई घायल को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया।

वही निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि सभी घटनाओं में शामिल वाहनों को कब्जे में लिया गया है घायलों का उपचार कराया जा रहा है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक को बाइक ने मारी जोरदार टक्कर, हालत नाजुक....

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज हाइवे पर सूर्या कॉलेज के सामने एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें पैदल घर लौट रहे युवक को तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से टक्कर मार दी हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सिविल अस्पताल रेफर किया गया।

घटनाक्रम मोहनलालगंज के गौर कॉलोनी निवासी पूनम शनिवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे अपने पति जीतेन्द्र गौतम उर्फ जीतू के साथ टहलने के बाद पैदल घर लौट रही थीं जैसे ही दोनों सूर्या कॉलेज के सामने पहुंचे तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने जीतेन्द्र को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे की सूचना पाकर मोहनलालगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया वहां मौजूद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सिविल अस्पताल लखनऊ रेफर कर दिया पीड़ित की पत्नी पूनम ने पुलिस को तहरीर देकर बाइक सवार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपी बाइक चालक की तलाश की जा रही है।

सपा नेता ने किया दौरा, निगोहां में प्रेस क्लब के नवगठित कार्यालय का पदाधिकारियों को दी बधाई

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। निगोहां क्षेत्र में पत्रकारों के संगठनात्मक विस्तार के बाद बने निगोहां प्रेस क्लब का रजिस्ट्रेशन हाल ही में पूर्ण हुआ बीते शुक्रवार को क्लब के नवगठित कार्यालय का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के दर्जा प्राप्त पूर्व मंत्री माननीय वीरेंद्र तिवारी ने अपने कर कमलों से किया था रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं वरिष्ठ नेता अमरपाल सिंह ने प्रेस क्लब कार्यालय का दौरा किया इस दौरान उन्होंने क्लब के समस्त नव निर्वाचित पदाधिकारियों को फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं दीं और संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की कार्यक्रम के दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष विमल सिंह चौहान ने अपने पदाधिकारियों की उपस्थिति में सपा नेता अमरपाल सिंह का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब का उद्देश्य पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करना निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना और समाजहित में सार्थक भूमिका निभाना है अमरपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं और निष्पक्ष कलम लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर संरक्षक प्रबंधक मुकेश द्विवेदी अध्यक्ष विमल सिंह चौहान, संगठन मंत्री मुकेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सौरभ सिंह, सुनील त्रिवेदी मोइन खान, आरिफ मंसूरी, अशोक मिश्रा, फहीम खान चांद सहित दर्जनों पत्रकार साथी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन महासचिव द्वारा किया गया और अंत में सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर उद्घाटन की खुशी साझा की।

अखंड भारत निर्माण के लिए प्रण दिलाया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रविवार को मैरिज हाल में संकल्प दल द्वारा अखंड भारत सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन आदर्श सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता आरएसएस जिला प्रचारक कोमल ने अखंड भारत की महत्ता पर चर्चा की और कार्यकताओं को इसके निर्माण आईआईएम रोड स्थित एक मैरिज हाल में संकल्प दल की ओर से अखंड भारत सप्ताह कार्यक्रम हुआ। मुख्य वक्ता आरएसएस जिला प्रचारक कोमल, जिला प्रभारी कृष्ण कुमार, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सूर्यभान शांडिल्य ने अखंड भारत की महत्ता पर चर्चा कर कार्यकताओं को अखंड भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का प्रण दिलाया। इसमें संकल्प दल के प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह, औरास ब्लॉक प्रमुख ज्ञानेंद्र सिंह, एड. जेके चौधरी, राजेश सिंह, आकाश, धीरेंद्र, एके सिंह, सत्येंद्र, बाना महाराज देवेंद्र सिंह, मदन, धर्मेंद्र सिंह, आकाश सिंह, सुशील शुक्ला, रामू मिश्रा, अंकित यादव, राजीव शर्मा आदि रहे।

नगराम पुलिस ने न्यायालय में पेश न होने पर एनबीडब्लू वारंट कार्यवाही कर दो वारंटी को भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र सिंह के निर्देशन और पुलिस उप आयुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल व अपर पुलिस उप आयुक्त दक्षिणी अमित कुमार के मार्गदर्शन में नगराम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वारंटी अभियुक्तों को रविवार को गिरफ्तार किया है

सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई जानकारी के मुताबिक, माननीय न्यायालय में निर्धारित तिथियों पर लगातार अनुपस्थित रहने पर न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था इसके तहत नगराम पुलिस टीम ने रविवार को दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया पकड़े गए वारंटी बदलू पुत्र स्व.शोभा निवासी ग्राम देवीती थाना नगराम, जनपद लखनऊ और दूसरे सन्तराम पुत्र स्व.रामलाल लोधी निवासी देवती थाना नगराम जनपद लखनऊ के खिलाफ एनबीडब्लू वारंट धारा 379/411 आईपीसी एवं 3/5 ए.उ. एक्ट के तहत जारी किया गया

नगराम पुलिस ने एन बी डब्लू वारंट पर की कार्रवाई, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल.....

वही नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने रविवार को दोनों को उनके घरों से गिरफ्तार किया पुलिस ने विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है नगराम पुलिस के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले अभियुक्तों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एक माह चले ओम नमः शिवाय महायज्ञ का हुआ समापन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। श्रावण मास भर मां बाराही देवी मंदिर में चला ओम नमः शिवाय संकीर्तन महायज्ञ का समापन रविवार को हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में बाल स्वामी जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन कराया। इसके उपरांत श्रद्धापूर्वक कन्या भोज और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के संरक्षक रमेश सिंह चौहान ने बताया कि इस महायज्ञ का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार और जन-कल्याण हेतु प्रार्थना करना था। समापन अवसर पर सुनील सिंह, मोहित प्रताप सिंह, विजय सिंह, नीलकमल पांडे सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ में विद्यालय की बच्चियों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी, पुलिस ने दिया सुरक्षा का वचन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर थाना पीजीआई क्षेत्र स्थित स्थानीय स्कूल की छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उन्हें रक्षा सूत्र अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चियों ने अतिरिक्त इंस्पेक्टर विनोद कुमार पांडे व उप निरीक्षक नवरंग तिवारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ, सुरक्षित एवं सफल जीवन की कामना की। पुलिसकर्मियों ने भी बच्चियों को विश्वास दिलाया कि वे समाज की सुरक्षा, विशेषकर महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की हुई मौत

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक ब्यक्ति की शनिवार रात संदिध परिस्थितियों में मौत हो गयी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया थाना क्षेत्र के पसनिया खेड़ा मजरे जयराजमऊ निवासी रमेश 45 वर्ष शनिवार की शाम निहालीखेड़ा में आयोजित दंगल देख घर लौटे।देर रात अचानक उनकी तबियत बिगड़ने लगी। घर में मौजूद पुत्र नीरज पड़ोसियों की सहायता से पिता को इलाज के लिए अस्तपताल लिए जा रहे थे लेकिन जयराजमऊ पसनिया खेड़ा रोड में पूर्व में गंगा कटान से प्रभावित रोड में तेज बहाव होने के कारण दूसरी ओर ले जाने में लगभग डेढ़ घंटा लग गया।जिससे रास्ते मे ही रमेश की मौत हो गयी।दिवंगत के चार पुत्रियां निशा, मनीषा, अनीशा, अंशिका तथा एक पुत्र नीरज है।एक पुत्री का विवाह हुआ है। दिवंगत की पत्नी गीता पति की मौत से बेहाल हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

पागल कुत्ते ने घर में घुसकर 4 वर्षीय मासूम पर किया हमला, हालत गंभीर

बांगरमऊ, उन्नाव।तहसील क्षेत्र के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के धन्नापुरवा गांव में एक पागल कुत्ता घर में घुस गया और 4 वर्षीय मासूम को उठाकर घसीटते हुए बाहर ले गया.मासूम का शोर सुनकर पड़ोसी बचाने दौड़े. लेकिन पागल कुत्ते ने उस पर भी हमला कर दिया. कुत्ते ने मासूम की आंख और चेहरे को बुरी तरह से नोच डाला. पड़ोसी की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह कुत्ते को भगाया.घटना के बाद बच्चे को खून से लथपथ हालत में पहले निजी अस्पताल ले जाया गया. वहां से उन्हें जिला अस्पताल और फिर कानपुर रैफर किया गया मासूम.सूरज की आंख के पास गाल पर छह टांके लगे हैं मासूम के पिता आदेश कुमार फतेहपुर चौरासी के मजदूरी के लिए परिवार सहित गांव में रह रहे हैं. गांव में इस घटना से दहशत फैल गई है. ग्रामीणों ने प्रशासन से आवारा और पागल कुत्तों को पकड़ने और उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है

मोटर का तार निकालते समय महिला को लगा करंट, हालत गंभीर

बांगरमऊ, उन्नाव।बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के आसायश गांव में रविवार दोपहर सहदेव की 26 वर्षीय पत्नी नेहा समरसिब्मल मोटर का तार निकाल रही थी, तभी वह करंट की चपेट में आ गई।हादसे में नेहा गंभीर रूप से झुलस गई और उसका हाथ जल गया। घर में मौजूद अन्य महिलाओं ने तुरंत उसकी मदद की। उन्होंने किसी तरह नेहा को उठाया और एंबुलेंस की सहायता से बांगरमऊ सीएचसी पहुंचाया।सीएचसी में मौजूद चिकित्सकों ने नेहा का प्राथमिक उपचार किया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

चाइनीज मांझे से हुई मौत के बाद पुलिस ने दुकानों पर की छापेमारी, 5 बंडल बरामद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। चाइनीज मांझे से हुई एक व्यक्ति की मौत के बाद पुलिस ने इसके खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। हिरन नगर निवासी अमर राजपूत (33) की गर्दन पर चाइनीज मांझा लगने से मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया।पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक को सख्ती से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। इन्हीं निदेशों के तहत रविवार को क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर अवनीश सिंह ने पुलिस बल के साथ शहर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया।अभियान के दौरान पतंगबाजी से संबंधित सामान बेचने वाली सभी दुकानों की जांच की गई। पुलिस टीम ने उन दुकानों पर विशेष ध्यान दिया जहां पहले भी चाइनीज मांझा मिलने की शिकायतें आई थीं। चेकिंग के दौरान सिविल लाइन चौकी क्षेत्र में स्थित रामनिवास की दुकान से पांच बंडल चाइनीज मांझा बरामद किया गया।पुलिस ने सभी बंडलों को सीज कर लिया और दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में चाइनीज मांझा बेचने, खरीदने या इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार चाइनीज मांझा न केवल मनुष्यों बल्कि पक्षियों और पर्यावरण के लिए भी खतरनाक है। इसकी धातु मिश्रित परत तेज धार का काम करती है जो आसानी से किसी की गर्दन या अंग को काट सकती है।पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने कहा कि जिले में चाइनीज मांझे की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने चेतावनी दी कि नियम का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अभियान को जारी रखते हुए पुलिस की कई टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में निगरानी करेंगी।

रक्षा बंधन के पर्व पर कई मार्गों पर घंटों लगा रहा भीषण जाम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रक्षाबंधन पर्व पर शनिवार को कई स्थानों पर भीषण जाम लग गया। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बहनों के राखी बांधने के लिए भाइयों के घर जाने और बाजारों में खरीदारी के कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। गांधी नगर तिराहे से नहर तक, शुक्लागंज, माखी के चकलवंशी और शहर के गांधी नगर बड़े चौराहे पर लंबे समय तक यातायात ठप रहा। गांधी नगर तिराहे से नहर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस की टीमें लगातार जाम हटाने के प्रयास करती रहीं। लेकिन वाहनों की अधिक संख्या के कारण स्थिति सामान्य होने में समय लगा। कई वाहन सवारों को जाम पार करने में घंटों लग गए। शुक्लागंज में स्थिति और भी विकट रही। यहां करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को धूप में खड़ा रहना पड़ा। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार सुबह से दोपहर तक कई बार यातायात बाधित हुआ। रक्षाबंधन के कारण पुलिसकर्मी लगातार भीड़ नियंत्रित करने में लगे रहे।माखी के चकलवंशी में भी दोपहर के समय जाम की स्थिति बन गई। यहां मुख्य मार्ग पर त्योहार के कारण वाहनों की संख्या अचानक बढ़ गई। इससे यातायात पूरी तरह से रुक गया। पुलिस ने मशक्कत के बाद वाहनों को धीरे-धीरे निकालकर रास्ता खाली कराया। शहर के गांधी नगर बड़े चौराहे पर भी दोपहर से लेकर शाम तक बार-बार जाम लगता रहा। उन्नाव से कानपुर जाने वाले वाहन सवार सबसे अधिक परेशान दिखे। मुख्य मार्ग पर जाम के कारण उनकी यात्रा का समय कई गुना बढ़ गया। त्योहार के मद्देनजर मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। यातायात पुलिस के साथ स्थानीय थानों की टीमें भी लगातार ड्यूटी पर रहीं। उन्नाव यातायात प्रभारी ने बताया कि रक्षाबंधन जैसे अवसरों पर भीड़ और जाम की संभावना पहले से होती है। इसलिए अधिकतम प्रयास किए गए कि यातायात जल्द से जल्द सामान्य हो।

मामूली विवाद को लेकर खेत गए युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव रतन पुरवा में रविवार सुबह एक मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गांव के बाहर स्थित खेत के पास हुई इस घटना में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में गंगा प्रसाद 45 वर्ष पुत्र महाबली के सिर और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। परिजन तुरंत घायल गंगा प्रसाद को एंबुलेंस से सीएचसी नवाबगंज ले गए। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे सनी ने बताया कि सुबह उसके पिता खेत के पास गए थे। तभी गांव के ही राधेलाल ने अचानक कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमला इतना तेज था कि पिता को बचाने का मौका तक नहीं मिला।घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी हसनगंज अरविंद चौरसिया और अजगैन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत एकत्र किए। सीओ हसनगंज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी विवाद का प्रतीत हो रहा है। विवाद के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

घर में घुसकर चोर उठा ले गए अलमारी, उसमें रखी नगदी समेत पार कर दिया कीमती सामान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कोतवाली गंगाघाट क्षेत्र के गोपीनाथपुरम में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर घर से पूरी अलमारी ही उठा ले गए और परिवार को इसकी भनक तक नहीं लगी। घटना खाटू श्याम मंदिर वाली गली में हुई। गोपीनाथपुरम में रहने वाली सुषमा देवी अपनी बेटी गुनगुन के साथ रहती हैं। बीती रात वह पड़ोसी अनुज तिवारी के घर ताला बंद कर चली गई थीं। रात के अंधेरे में चोरों ने मौके का फायदा उठाकर घर में घुसपैठ की। वे अलमारी समेत उसमें रखे 20 हजार रुपये नकद और कपड़े चोरी कर ले गए। सुबह जब सुषमा देवी घर लौटीं, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और अलमारी गायब है।उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गंगाघाट पुलिस ने आसपास तलाश की। घर से लगभग एक किलोमीटर दूर खाली पड़ी जगह से अलमारी बरामद की गई। हालांकि, उसमें रखी नकदी और कपड़े गायब थे। पुलिस ने घर और आसपास के इलाके का मुआयना किया। चोरों की पहचान के लिए पुलिस ने मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। चोरों ने पहले की थी रेकी गंगाघाट थाना प्रभारी पीके मिश्रा ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे। सुषमा देवी का कहना है, ₹हमने मेहनत से पैसे जमा किए थे। त्योहारों के समय ये चोरी हमारे लिए बड़ा नुकसान है।₹ पुलिस का अनुमान है कि चोर इलाके से भली-भांति परिचित थे। उन्हें मालूम था कि घर पर कौन है और कब ताला लगेगा। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक अधेड़ युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर साड़ी के फंदे से टीन शेड के पाइप में लटकता मिला। मृतक नूरुल्लानगर निवासी सुनील सिंह (53) पुत्र श्रीकृष्ण सिंह के रूप में हुई है। घटना के समय सुनील सिंह घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी नीलम, बेटा आयुष और बेटी शुक्रवार को राखी बांधने दिल्ली गए हुए थे। रविवार सुबह जब एक पड़ोसी किसी काम से सुनील के घर गया, तो उसने शव को साड़ी के सहारे फांसी पर लटकता देखा। पड़ोसी की चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत मृतक की पत्नी और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी रसूलाबाद जय प्रकाश यादव मय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर रविवार दोपहर करीब एक बजे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। आसीवन थाना प्रभारी

निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

परिवार ने मंगाया शाकाहारी भोजन, पैकेट के अंदर निकला नॉनवेज का एक पीस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा निवासी धीरज सिंह ने बताया कि उन्होंने शनिवार रात अपने परिवार के साथ भोजन के लिए अल हबीब रेस्टोरेंट से ऑनलाइन ऑर्डर किया था। इसमें 1 कड़ाई पनीर, 1 पनीर फ्राई राइस और 5 रुमाली रोटियां शामिल थीं। समय पर डिलीवरी तो मिल गई, लेकिन पैकेट खोलते ही उनके परिवार के होश उड़ गए। कड़ाई पनीर और बाकी डिश के साथ एक नॉनवेज लेग पीस भी पैकेट में मौजूद था। परिवार पूरी तरह शाकाहारी है और मांसाहार को धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ मानता है।धीरज सिंह के मुताबिक, उन्होंने यह ऑर्डर 472 रुपए में दिया था। डिलीवरी के बाद रेस्टोरेंट से संपर्क करने पर मैनेजर ने माना कि नॉनवेज का पैकेट गलती से उनके ऑर्डर में चला गया। इसे उन्होंने डिलीवरी बॉय की चूक बताया और माफी मांग ली। लेकिन पीड़ित ग्राहक ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए हल्के में लेने से इनकार कर दिया।पीड़ित का कहना है कि यह सिर्फ गलती नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और आस्था से जुड़ा गंभीर मामला है। ₹अगर किसी को एलर्जी या चिकित्सकीय कारण से मांसाहार वर्जित हो, तो यह जानलेवा भी हो सकता है,₹ उन्होंने कहा। धीरज सिंह इस मामले की औपचारिक शिकायत अधिकारियों से करने की तैयारी में हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उनका कहना है कि रेस्टोरेंट्स को पैकिंग और डिलीवरी में ज्यादा सतर्कता बरतनी चाहिए।

चोरी की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने एक बाग में छिपे चोरों को दौड़ाकर पकड़ा, चार बाइक बरामद

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के मुन्नी पुरवा गांव में ग्रामीणों ने एक बाग में सेंध बनाकर रह रहे चोरों को दौड़ाकर पकड़ लिया है।इस दौरान चार बाइक भी बरामद हुई हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने एक बाइक में आग लगा दी, जिससे वह जलकर राख हो गई। हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने चोरों को पकड़कर उनकी पिटाई शुरू कर दी थी। समय रहते पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के चंगुल से चोरों को बचाया।पुलिस सभी आरोपियों को पकड़कर थाने ले गई है। दरअसल, फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से परेशान ग्रामीणों ने जंगल से एक गिरोह को खोज निकाला था।बाग में सेंध बनाकर रह रहे चोरों को मौके पर ही दबोच लिया गया। चोरों के पकड़े जाने की खबर फैलते ही भीड़ जुटने लगी। हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ के बीच पहुंची पुलिस ने किसी तरह पकड़े गए युवकों को सुरक्षित थाने पहुंचाया।थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पकड़े गए युवकों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए युवकों की संख्या लगभग एक दर्जन बताई जा रही है।

पारिवारिक विवाद के बाद युवक के सीने में उठा दर्द , मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कुरसठ गांव के मजरा बहादुरखेड़ा में रक्षाबंधन पर हुई पारिवारिक कहासुनी के बाद एक युवक की मौत हो गई। 45 वर्षीय कमलेश ने अपनी बहन रामश्री को राखी बंधवाने से इनकार कर दिया था। इस पर उनके छोटे भाई अखिलेश ने कहा कि बहन राखी बांधने आई है, बंधवा लो। इसी बात को लेकर परिवार में कहासुनी शुरू हो गई। अखिलेश, बहन रामश्री, उनकी पत्नी मिश्रीलाल और अखिलेश की पत्नी मनोजा के बीच विवाद हुआ। तनावपूर्ण माहौल के बीच शाम करीब छह बजे कमलेश को सीने में तेज दर्द उठा और उनकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने तुरंत पड़ोसी गांव चम्पाखेड़ा के डॉक्टर महेंद्र सिंह को दिखाया। उपचार के बाद थोड़ी राहत मिली और परिजन उन्हें वापस घर ले आए। लेकिन देर रात फिर से दर्द शुरू हो गया। स्थिति गंभीर देख परिजन कमलेश को मियागंज के अंशिका अस्पताल ले गए।वहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए उन्नाव रेफर कर दिया। परिजन रविवार सुबह उन्हें घर वापस ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। कमलेश की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलने पर आसीवन थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह और चौकी प्रभारी कुरसठ राजीव भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कमलेश का विवाह करीब 23 वर्ष पूर्व सरोजनी से हुआ था, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं थी। उन्होंने अपने छोटे भाई अखिलेश के चार वर्षीय पुत्र देवा को गोद लिया था। कमलेश चार बहनों और दो भाइयों में तीसरे नंबर पर थे और खेती-किसानी कर जीवन यापन करते थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पत्नी की तहरीर पर शव को पोस्टमॉर्टम भेजा गया है।

प्रेम प्रसंग के चलते भाई ने बहन को उतारा मौत के घाट, क्रेशर के रास्ते पहाड़ी में मिला शव

चार दिन पहले धसान नदी किनारे मिला था प्रेमी का शव

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। कोतवाली गरौठा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंद्रपुरा में स्टोन क्रेशर के रास्ते पर शनिदेव मंदिर के पास एक 18 वर्षीय लड़की का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलिराज शाही पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अरविंद कुमार एवं फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतिका की पहचान कोतवाली गरौठा अंतर्गत ग्राम चंद्रपुरा निवासी पप्पू अहिरवार की पुत्री पित्तो (18 वर्ष) के रूप में हुई है। हत्या से पहले मृतिका के बालों का मुंडन किया गया ।प्रथम दृष्टया प्रेम प्रसंग के चलते लड़की की हत्या की आशंका जताई जा रही है ।मृतिका के पिता पप्पू अहिरवार ने अपने बेटे पर पुत्री की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु मऊरानीपुर भेज दिया है । जानकारी के अनुसार चार दिन पूर्व लहचूरा थाना क्षेत्र अंतर्गत झारखंड धाम के पास धसान नदी के किनारे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला था जिसकी पहचान टहरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पसराई निवासी विशाल अहिरवार के रूप में हुई थी। उसी घटना को इस लड़की की हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है ।बताया जा रहा है कि चंद्रपुरा की लड़की और पसराई गांव के लड़के के बीच प्रेम प्रसंग चलता था ।इसी के चलते दोनों प्रेमी प्रेमिका की हत्या की गई है ।फिलहाल पुलिस ने चंद्रपुरा निवासी एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

मार्ग दुर्घटना में युवक की मौत, साथी घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रक्षाबंधन के दिन लखनऊ-कानपुर रोड पर एक सड़क हादसा हुआ। यह दुर्घटना सोहरामऊ थाना क्षेत्र में भल्ला फॉर्म चौराहे से कुछ दूरी पर सरस्वती मेडिकल कॉलेज के सामने एचपी पेट्रोल पंप के पास घटी। हादसे में 2 लोग हुए घायल हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों में से 18 वर्षीय प्रिंशु, पिता राज नारायण शुक्ला, को नवाबगंज समुदाय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। दूसरे घायल अर्जुन को पहले सरस्वती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। बाद में उसे भी नवाबगंज सीएससी ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है ।नवाबगंज समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते ही प्रिंशु की मौत हो गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि रक्षाबंधन की भीड़ को देखते हुए लोगों को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी। ओवरटेकिंग के कारण हुआ हादसा सड़क पर भीड़ के कारण हाथ से हो रही ओवरटेकिंग से यह हादसा हुआ बताया जा रहा है। सोहरामऊ थाना प्रभारी संदीप कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटना करने वाले वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है ।जांच में जुटी पुलिस। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि त्योहारों के समय सड़क पर विशेष सावधानी बरतें। साथ ही यातायात नियमों का पालन करें।

भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में निकाली गई हर घर तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय के उद्घोष के साथ बाइक रैली में उमड़ा जनसैलाब

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। हर घर तिरंगा यात्रा के अंतर्गत भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल के नेतृत्व में गरौठा मंडल की विशाल बाइक रैली मारकुआ से गरौठा नगर में निकाली गई जिसमें नगर व ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं का जनसैलाब देखा गया। आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर के पूर्व भाजपा द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के निमित्त इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाइक रैली के उपरांत सभी पार्टी कार्यकताओं व जन समुदाय को भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा संबोधित किया गया जिसमें उन्होंने उभरते हुए नए भारत की सशक्तिकरण पर देश की रक्षा नीतियों को सराहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र मोहन पाठक, मंडल प्रभारी जिनेंद्र जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता रामजी परिहार, जिला उपाध्यक्ष हर प्रसाद पटेल, किसान मोर्चा ब्रजकिशोर पटेल, धर्मेंद्र सिंह बुंदेला, मयंक गुप्ता, अनूप पाठक, प्रमोद भदोरिया, राजेश सिंह परिहार, रविकांत आर्य, अजय पटेरिया, मनीष वर्मा, जितेंद्र पटेल, आदर्श द्विवेदी अनिल शर्मा, पुष्पेंद्र पुरी, सुनील तिवारी, रामकिशन खटीक, हम्मीर निरंजन, प्रदीप तिवारी, रेनू सिंह, महेश गुप्ता, दीपेंद्र सिंह, रमाकांत कौशिक, महेंद्र सुमन, सुरेंद्र सिंह, राहुल रावत ,प्रियवर्धन चौबे, संजय शर्मा, घनेंद्र पटेल, प्रवीन रावत, छत्रपाल पाल ,खुर्शीद खान, सुधीर मोदी, प्रदीप पांचाल, श्रीपत अहिरवार, दिनेश गौतम, व अन्य संभ्रांत नागरिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

भारत को अमेरिकी दबाव में आने की जरूरत नहीं

भारत सरकार को अमेरिकी दबाव में नहीं झुकना चाहिए। अमेरिका चाहे पचास फीसदी टैरिफ लगाए या सौ फीसदी, भारत को अमेरिका के अनुचित व अन्यायपूर्ण ट्रेड व्यवहार के आगे तनिक भी दबाव में आने की जरूरत नहीं है। अमेरिका का टैरिफ कदम विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों व संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के चार्टरों का खुला उल्लंघन है। हां, जवाबी कार्रवाई में संयम जरूर बरतना चाहिए और उचित वक्त आने का इंतजार करना चाहिए। चूंकि भारत व अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता चल रही है, पांच दौर की वार्ता हो चुकी है, छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल 25 अगस्त को भारत आ रहा है, इसलिए तब तक जरूर इंतजार कर लेना चाहिए। हालांकि इस वार्ता से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया नया टैरिफ ऐलान और नई-नई धमकियां भारत को मनमाफिक डील के लिए झुकाने की टैक्टिस है। भारत यह समझता है और भारत सरकार ने अमेरिका को कड़ा जवाब भी दिया है कि वह अपने किसानों, मछुआरों, डेयर उत्पादकों व ऊर्जा हितों से समझौता नहीं करेगा, चाहे कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। भारत का रूस से तेल आयात वैश्विक ऊर्जा स्थिरता में योगदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रंप के 50 फीसदी शुल्क लगाने के ऐलान के बाद सरकार की दृढ़ता दिखाई है, जो जरूरी कदम है। प्रधानमंत्री अगर पहली बार ही जब वे अमेरिकी दौरे पर राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने गए थे और उनकी बैठक से पहले अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, तब कड़ी प्रतिक्रया देते तो ट्रंप की इतनी हिम्मत नहीं बढ़ती। 25 फीसदी शुल्क के ऐलान के वक्त भी सरकार को माकूल प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। देर ही सही पर भारत ने अमेरिका को उसके दोहरे मानदंड को लेकर आईना दिखाया कि वह खुद रूस से यूरेनियम, पैलेडियम, उर्वरक व मशीनरी उपकरण आयात कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की भारत के प्रति जो मौजूदा टैरिफ धमकियों की स्थिति है, उसमें पीएम मोदी की सरकार की ट्रेड नीति, विदेश नीति व कूटनीति के साथ भारतीय राष्ट्रवाद की भी परीक्षा है। भारत को अपनी स्वतंत्र, गुटनिरपेक्ष और संप्रभु विदेश नीति पर दृढ़ रहना चाहिए। ट्रंप अगर नहीं रुकते हैं, तो यह वक्त तगड़ा जवाब देने का भी होगा। अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगा सकता है, साथ ही भारत नए विकल्प की ओर बढ़ सकता है। भारत रूस के साथ अपनी तेल खरीद व ट्रेड बढ़ा सकता है। रक्षा निर्भरता रूस पर अधिक है व वह भरोसेमंद साझेदार भी है, इसलिए इस टेस्टेड रिश्ते को और मजबूत करना चाहिए। भारत ने यूके के साथ फ्री ट्रेड डील की है, ईयू (यूरोपीय संघ) के साथ एफटीए सितंबर तक हो जाएगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक का लाभ भारत को चीन के साथ अपने ट्रेड संबंध को बढ़ाने के अवसर के रूप में लेना चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद ब्राजील ने भी कहा है कि वे भारत व चीन के साथ इससे उबरने के उपायों पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने टैरिफ वार से विश्व स्तर पर ऐसी स्थिति बना दी है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, ईरान आदि देशों की नजदीकियां बढ़ रही हैं, जो ग्लोबल ट्रेड की वैकल्पिक धुरी बन रही हैं। भारत ब्रिक्स को मजबूत करने में सहयोग कर सकता है और करीब 50 से अधिक देशों वाले अफ्रीकी संघ के साथ अपने ट्रेड संबंध को मजबूत कर सकता है। साथ ही वह दक्षिण पूर्व व मध्य पूर्व एशियाई देशों के साथ अपना ट्रेड बढ़ा सकता है। अमेरिकी टैरिफ से भारत से अमेरिका को निर्यात 40 से 50 फीसदी प्रभावित हो सकता है, इसलिए निर्यातकों को इन विकल्पों की तरफ बढ़ना चाहिए। भारतीय शेयर बाजार ने ट्रंप टैरिफ को ठेंगा दिखाया है व बढ़त के साथ बंद हुई है, साफ है भारत का घरेलू बजार मजबूत है, इसमें और अधिक आर्थिक क्षमता है। अमेरिका अपनी हरकतों से खुद भारत से दूर हो रहा है। इसलिए ग्लोबल ट्रेड में भारत को इसे एक अवसर के रूप में लेना चाहिए।

चिंतन

शिवप्रकाश

स्वदेशी के मंत्र से आत्मनिर्भर होगा भारत

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी कृषि व डेयरी के हितों की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। टैरिफ संरचना की रक्षा करना, स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करना, किसान उत्पादक संगठन,कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, पोषण और पारंपरिक कृषि विविधता की रक्षा करने के साथ ग्रामीण जीवन और आजीविका की सुरक्षा करने के लिए सरकार सभी प्रकार से प्रतिबद्ध है।

भारत के साथ टैरिफ समझौते में अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव के तहत 25 प्रतिशत का टैरिफ न सिर्फ अतार्किक है बल्कि भारत के ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था व स्वावलंबन पर सीधा हमला है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान अब सिर्फ भावनात्मक नहीं बल्कि रणनीतिक जवाब है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सिर्फ खेतों और डेयरी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। भारत का यह एक सामाजिक आर्थिक ढांचा हैजिसमें छोटे किसान, महिला स्व-सहायता समूह, सहकारी समितियाँ और पारंपरिक उत्पादन श्रृंखला शामिल हैं। भारत के 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं जिनकी जोत दो हेक्टेयर से भी कम है। देश की आठ करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं। इनमें से अधिकांश महिलाएं और भूमिहीन किसान शामिल हैं। यह पूरा समूह बेहद संवेदनशील है जिसकी आजीविका के लिए सरकार पूरा सहयोग व समर्थन देती है। इतनी बड़ी जनसंख्या का पूरा ढांचा न्यूनमत समर्थन मूल्य (MSP), सब्सिडी और सीमा शुल्क पर निर्भर करता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी कृषि व डेयरी के हितों की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। टैरिफ संरचना की रक्षा करना, स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना, किसान उत्पादक संगठन,कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, पोषण और पारंपरिक कृषि विविधता की रक्षा करने के साथ ग्रामीण जीवन और आजीविका की सुरक्षा करने के लिए सरकार सभी प्रकार से प्रतिबद्ध है।

इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने काशी प्रवास में देश की जनता से स्वदेशी का नारा बुलंद किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया ने स्वदेशी हथियाओं की ताकत का अनुभव किया है। प्रधानमंत्री ने इसे भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ताकत कहा। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और आशंका का वातावरण है। इस अस्थिरता से उबारने के लिए सभी देश अपने राष्ट्रीय हितों के संरक्षण की नीति अपना रहे हैं। ऐसे में भारत अलग कैसे रह सकता है। हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके मद्देनजर हमे भी अपने राष्ट्रीय हितों के प्रति सजग रहते हुए किसानों, लघु उद्योगों और नौजवानों के रोजगार के प्रति सजग रहना होगा। तीसरी अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दलगत भाव से ऊपर उठकर समस्त दल, प्रबुद्ध नागरिकों और समाज को स्वदेशी के ही मंत्र को उद्घोष करना चाहिए। हम स्वदेशी को अपनाएं और स्वदेशी को बढ़ाएं।

गत दशक में भारत की अर्थव्यवस्था उत्तरोत्तर प्रगति के शिखर पर जा रही है । वर्ष 2013- 2014 में हम 11 वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे जो आज चौथे नंबर पर है , और अब तीव्र गति से तीसरे नंबर की ओर बढ़ रहे है । हमारी विकास दर 6.4 % की गति से बढ़ रही है । रक्षा, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव बढ़ा है । विश्व बाजार में भी भारत की भागीदारी भी बढ़ी है । हमारी

गरीब कल्याण की योजनाओं के कारण 24 करोड़ से अधिक गरीब गरीबी रेखा से ऊपर आए है । ढांचागत विकास सहित भारत ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है । हमारी मूलभूत सुविधाओं का स्तर विश्व स्तरीय हो रहा है । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम भोलेनाथ को पूजते भी हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर हम अपनी सुरक्षा के लिए कालभैरव भी बन जाते हैं ।बढ़ती आर्थिक प्रगति, सक्षम सुरक्षा नीति एवं बढ़ता भारत का वैश्विक प्रभाव दुनिया के देशों में भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव भी उत्पन्न कर रहा है।

अमेरिका की कृषि व्यवस्था औद्योगिक, सब्सिडी-समर्थित और बड़े पैमाने वाली है। इसके मुकाबले भारत में कृषिक्षेत्र में छोटी जोत वाले किसान शामिल है। भारत में कृषि पर निर्भर जनसंख्या लगभग 55% है जो बहुतांश गांव में रहती है । भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कृषि क्षेत्र का 15%योगदान है । भारत में खेती की सफलता पूरी तरह मौसम की अनिश्चितता पर निर्भर है। श्रम-आधारित व्यवस्था पर टिकी भारत की खेती की तुलना अमेरिका की खेती से नहीं की जा सकती है। ऐसे में अमेरिका व भारत जैसे देश परस्पर समान टैरिफ पर नहीं आ सकते हैं। भारत का कपड़ा, खाद्यान्न, चीनी,डेयरी एवं मत्स्य व्यवसाय कृषि के साथ ही जुड़ता है ।कृषि व डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को अमेरिका के लिए खोलने की जिद बेमानी होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिकी सस्ते डेयरी उत्पादों से भारतीय बाजार पट जाएगा। महिलाओं के स्व-सहायता समूह, जैसे अमूल जैसी सहकारी संस्थाएं आर्थिक संकट में पड़ जाएंगी। भारतीय किसानों के उत्पादों की कीमतें बाजार में कौड़ियो के भाव बिकने को मजबूर होंगी। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक संकट, बेरोजगारी, पलायन और असंतोष शुरू हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दशक में कृषि एवं किसान कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाई है । पिछले एक दशक में कृषि बजट में 5 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है, जो बजट 2013- 2014 में 21,933 करोड़ की तुलना में 2023-2024 में 1.25 लाख करोड़ हो गया । सहकारिता क्षेत्र भी भारत में महिलाओं एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को शक्तिशाली करने में जुटा है ।ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सुरक्षा, डेयरी उद्योगों का संरक्षण एवं सहकारिता का पोषण यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है । जिसका आह्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है ।

स्वदेशी केवल तत्कालीन नहीं बल्कि भारत की आत्मा का उद्घोष है। यह भारत की एकता, देशभक्ति एवं सामूहिक आकांक्षाओं का शंखनाद है। भारत में स्वदेशी का मंत्र समय-समय पर अलग-अलग रूपों में प्रकट हुआ है। यही मंत्र ब्रिटिश गुलामी के समय विदेशी सत्ता को उखाड़ने में भी विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर, वंदे मातरम के रूप में आया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में कराए गए परमाणु विस्फोट के बाद भी भारत में प्रतिबंध लगाए गए थे, जिसका जवाब स्वदेशी के नारे ने दिया था। पूरी दुनिया को स्वदेशी भाव से समुचित प्रत्युत्तर दिया गया था। स्वदेशी के मंत्र से आवश्यक संयम एवं स्वावलंबन का भाव जगेगा और अनावश्यक रूप से विदेशी पूंजी पर निर्भरता को मोह से हम बचेंगे। स्वदेशी के मंत्र पर अमल से डिफेंस उद्योग का विकास होगा, कृषि पैदावार बढ़ेगी, श्रम प्रधान उद्योग का विस्तार होगा। सार्वजनिक सेवाओं और मूलभूत उद्योगों का विस्तार होने से हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं तथ्यों के आधार पर स्वदेशी के व्यवहार का आह्वान किया है। हम इसे अपने जीव नें अपना कर भारत को पुनः अजेय ताकत के रूप में

'धर्म और अध्यात्म' के बदलते जा रहे हैं अर्थ

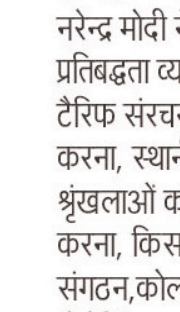

संकलित

दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

शनिदेव को पिप्पलाद मुनि ने दिया श्राप

संकलित

प्रेरणा

पुराने समय में वृत्तासुर नाम के एक असुर का आतंक बढ़ गया था। इस असुर को सभी देवता पराजित नहीं कर पा रहे थे। उस समय दधिचि ऋषि ने देवताओं से कहा कि मेरे शरीर की हड्डियों से आप वज्र नाम का शस्त्र बनाइए और उस वज्र से वृत्तासुर का अंत हो जाएगा। देवताओं की भलाई के लिए दधिचि ऋषि ने अपनी देह त्याग दी और बाद में देवताओं ने ऋषि की हड्डियों से वज्र बनाया। देवराज इंद्र ने इस वज्र से असुरों को पराजित कर दिया। दधिचि मुनि के पुत्र का नाम पिप्पलाद था। दधिचि के पुत्र का जन्म पीपल के नीचे हुआ था, इस कारण इस बच्चे का नाम पिप्पलाद रखा गया। बच्चे के जन्म से पहले ही दधिचि की मृत्यु हो गई थी। जब पिप्पलाद बड़े हुए तो उन्होंने देवताओं से पूछा कि मेरे पिता की इतनी जल्दी मृत्यु कैसे हो गई। उस समय उन्हें मालूम हुआ कि शनि की अशुभ दृष्टि की वजह से दधिचि मुनि की मृत्यु का योग बना है। वे बड़े तपस्वी थे। जब उन्हें मालूम हुआ कि शनि के कारण उनके पिता की जल्दी मृत्यु हुई तो उन्होंने शनि को ग्रह मंडल से हटने का शाप दे दिया। शाप के असर से शनि ग्रह मंडल से हटने लगे तो सभी देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से अपना शाप वापस लेने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना से पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा कर दिया, लेकिन उन्होंने से शनि से कहा कि अब से किसी बच्चे को 16 वर्ष की उम्र तक शनि दोष का सामना न करना पड़े, शनि बच्चों पर अशुभ दृष्टि नहीं डालेंगे।

संस्कृत दिवस सप्ताह

डॉ.शंकरलाल शास्त्री

संस्कृत दिवस और जुगाड़ संस्कृत पुरस्कारों का

संस्कृत भाषा परिष्कृत और वैज्ञानिकता से ओतप्रोत एक सर्वोत्कृष्ट प्राचीन भाषा है। इसी भाषा में अंतरिक्ष विज्ञान, कृषि, पशुधन, शल्य क्रिया, शिल्प शास्त्र, कला, जल संरक्षण और पर्यावरण चेतना जैसे महत्वपूर्ण विषयों का ज्ञान समाया है । हमारे देश के इस दुर्लभ ज्ञान को आज संजोने की विशेष आवश्यकता है। भारत सरकार भी संस्कृत वाङ्मय के उन्नयन हेतु प्रयासरत है किंतु क्या हम संस्कृत दिवस या संस्कृत सप्ताह का आयोजन कर और अपने अपनों को उपकृत कर इतिश्री कर लेने मात्र से देव भाषा संरक्षण के उद्देश्यों को पूर्ण कर पायेंगे। आज संस्कृत के छात्रों की निरंतर गिरती संख्या एक चिंताजनक यक्ष प्रश्न है। अपना प्रभुत्व जमाए रखने के लिए आए दिन कुछ विश्वविद्यालयों को सिर्फ मीडिया की सुर्खियों में बनाए रखना एक अलग विषय हो सकता है। किंतु विश्वविद्यालयों में छात्रों की वास्तविकता क्या है लोग भलीभांति जानते हैं। यदि जितना प्रयास गुटबाजी कर अन्यों को हांशिए पर लाने के प्रयत्न की जगह वास्तव में संस्कृत छात्रों की संख्यात्मक अभिवृद्धि पर ध्यान दिया जाए तो परिणाम बहुत अच्छे हो सकते हैं। गत दिनों राजस्थान के राजकीय विद्यालय की दीवार गिरने से बच्चों की मौत का मामला सामने आया। यहां के संस्कृत विद्यालयों के भवनों एवं छात्रों की संख्या भी दयनीय ही नजर आती है। इनके साथ-साथ राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से प्रतिवर्ष श्रावणी पूर्णिमा यानी संस्कृत दिवस के अवसर पर दिए जाने वाले राज्य स्तरीय समारोह में संस्कृत विद्वानों को सम्मानित करने की परंपरा में भी दयनीयता ही नजर आ रही है। इस वर्ष का आयोजन राजस्थान में गुरुवार को उदयपुर में है जो संस्कृत दिवस यानी रक्षाबंधन से दो दिन पहले अपनी सुविधानुसार होने लगे हैं। हालांकि शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष श्रावणी पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस मनाने की घोषणा की थी । इन पुरस्कारों में प्रायः राजनीतिक गलियारों या भाई- भतीजावाद का सिद्धांत ही फल फूल रहा है। चाहे कोई भी सरकार आए । अपने अपनों का जुगाड़ ही लगा है। जिन्होंने दशकों तक हजारों पृष्ठों में लेखन कर संस्कृत की सेवा की, प्रचार प्रसार में अपना जीवन समर्पित किया उन्हें कोई पूछता तक नहीं है। यदि आपका राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है किसी बड़े अधिकारी से संपर्क नहीं है तो तय मानिएगा कोई पूछने वाला तक नहीं है । कितनी भी साहित्य - साधना करिए, लिखते - लिखते आंखों की दृष्टि धूमिल कर डालिए किंतु संस्कृत शिक्षा निदेशालय, राजस्थान द्वारा प्रायः उपेक्षित कर विद्वानों को अगले वर्ष देख लेंगे और वह अगला वर्ष उस विद्वान के जीवन में कभी आता ही नहीं है। ऐसे में इन पुरस्कारों या सम्मानों में न्याय हो पाना पूर्णतः दुर्लभ है। क्यों न ऐसे सम्मान के चयन मंडल में बजाय राजनीति गलियारों की अपेक्षा यदि किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में निष्पक्ष निर्णय करवाया जाना चाहिए। इसमें वरिष्ठ अधिकारियों और न्याय से जुड़े विशेषज्ञों के संयोजन में चयन किया जाना चाहिए।

वर्तमान में प्रायः ऐसे पुरस्कार राजनीति या जोड़-तोड़ की भेंट चढ़ जाते हैं। वहीं दूसरी ओर वंशवाद पनप रहा है साथ ही एक ऐसा खेमा खड़ा होता है जो तोते की तरह पूरी तरह से चयन समिति के लोगों को ईर्ष्या या द्वेष के चलते चयन न करवाने का फलसफा रटा दिया जाता है और ऐसी चयन समितियां महज नाम मात्र की रह जाती हैं। ऐसे में यदि न्यायाधीशों की अध्यक्षता में बतौर उनके प्रकाशनों और अन्य कार्यों के योगदान पर आधारित पक्षों को मध्य नजर रखते हुए निर्णय लिया जाए तो संस्कृत विद्वानों को न्याय मिल सकेगा । राजस्थान जैसे प्रदेश के साथ ही पूर्व में दिए जाने वाले अन्य संस्कृत सम्मान भी लुप्तप्रायः होते जा रहे हैं । ऐसे में जहां एक ओर संस्कृत संरक्षण की बात की जाती है वहीं दूसरी ओर संस्कृत भाषा की सेवा करने वाले मौन- साधकों को प्रायः मूक ही रखा जाता है आखिर योग्य और देववाणी की सेवा में लगे सुधीजनों का हम उत्थान कैसे कर पाएंगे? ऐसे कई यक्ष प्रश्न आज भी अनुत्तरित हैं ।

अंतर्मन

आज की पाती

अध्यापक दायित्वों को दरकिनार करने से बचें

मानव की सोई हुई शक्ति को जगाने वाली शिक्षा है। टीचर का सही लक्ष्य मानव बनाने का है। जिस शिक्षा से मानव की मानवता जागृत नही हो अथवा पशुता के संस्कार समाप्त नही, उस शिक्षा का कोई महत्व नही है।वर्तमान में जो शिक्षा पद्धति है, वह समीचीन नही है। आज इस बात की आवश्यकता है कि शिक्षा का, ज्ञान का स्वरूप सम्यक हो एवं वातावरण में व्याप्त अराजकता के उन्मूलन के लिए जागरूकता पूर्वक प्रयास हो। लेकिन आज तो दोनों ही भटक गए है। अध्यापक नौकरी करते है और छात्र डिग्रियां लेते है। संस्कारो की चिंता किसी को नही है। आज मोबाइल और इंटरनेट के समय में जहा छात्र -छात्राएं भटक रहे है। वही टीचर भी अपनी मर्यादाओ को पीछे छोड़ रहे है। गुरु और शिष्य की परंपरा का निर्हवन नही होता है। गुरु शिष्य के पवित्र रिश्ते तार तार हो रहे है। -कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

नई कृषि तकनीक

तमिलनाडु के किसानों के एक समूह से मुलाकात हुई। उनके अनुभवों और नवाचार पर उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ टिकाऊपन बढ़ाने के लिए नई कृषि तकनीकों को अपनाने के उनके प्रयासों के बारे में सुनकर मैं दंग रह गया।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

हम 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से भर जाएं, हमको स्वदेशी अभियान चलाना है। आज 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' पर हम ये संकल्प भी लें कि हम अपने देश में बनी हुई चीजें को ही खरीदेंगे।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

उड़ान के लिए तैयार

गुवाहाटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल नवंबर में खोला जाएगा। यह टर्मिनल न केवल पूर्वोत्तर राज्यों के साथ, बल्कि हमारे पड़ोसी देश भूटान के साथ भी संपर्क को बढ़ाएगा। नवंबर से एक नये और बेहतर अनुभव के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाइए।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

अनावश्यक टिप्पणी

राहुल गांधी हर बात पर संवैधानिक संस्थाओं पर अनावश्यक टिप्पणी करते रहते हैं, अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव आयोग पर टिप्पणी करना अनुचित है। उन्होंने राजनीति में स्थापित होने के कई प्रयास किये लेकिन असफल रहे।

- नायब सिंह सैनी, सीएम, हरियाणा

करंट अफेयर

वास्तविक दुनिया से जोड़ने ब्रिटेन में युवाओं को पैकेज

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने बुधवार को 8 .8 करोड़ पाउंड के युवा सेवा पैकेज जारी किया, जिसका उद्देश्य किशोरों को स्क्रीन से दूर रखकर वास्तविक जगत की बाहरी गतिविधियों के माध्यम से अपने आसपास की दुनिया से फिर से जोड़ना है। 'बिल्डिंग क्रिएटिव फ्यूचर्स' कोष स्कूली बच्चों को नियमित स्कूली दिनों के अलावा खेल, कला और संगीत, वाद-विवाद या स्वयंसेवा जैसी पाठ्येतर गतिविधियों तक बेहतर पहुंच प्रदान करता है ताकि उनके आवश्यक कौशल में सुधार हो सके। 'बेटर यूथ स्पेसिस' कार्यक्रम की योजना उन क्षेत्रों में युवा क्लबों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बनाई गई है,

ऑफ बीट

नींद में खलल से पक्षियों की आवाज में आता है बदलाव

पक्षियों को भी नींद में खलल पड़ने पर तकलीफ होती है, और यह उनके गायन में भी दिखाई देता है। पक्षियों की आवाज असाधारण रूप से विविध होती है।

यह साधारण आवाज, जैसे मुर्गा के कुकडू-कु, से लेकर अन्य ध्वनियों की जटिल नकल, कभी-कभी तो मानव आवाज की नकल तक होती है। यह आवाज पक्षियों के लिए अपने और अपने परिवेश के बारे में जानकारी साझा करने के वास्ते महत्वपूर्ण है। यह आमतौर पर छोटी और सरल होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सामाजिक संवाद के लिए किया जाता है, जैसे खतरे या भोजन का संकेत देना, रिश्तेदारों की पहचान के लिए या सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने के लिए।

संक्षेप

दहेज में मांगी आल्टो कार , एफआईआर

पति और ससुराल वालों ने महिला को मारने की कोशिश की, जेवरात छीने

सुलतानपुर, एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और जान से मारने की कोशिश का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ममता की शादी 9 जुलाई 2023 को हरिकेश यादव के साथ हुई थी। शादी में ममता के पिता ने तिलक में दो लाख रुपए नगद दिए थे। विदाई के समय दो लाख सत्तर हजार रुपए बुलेट के लिए और साथ में अन्य घरेलू सामान भी दिया था। शिकायत के अनुसार, शादी के समय से ही ससुराल वाले कम दहेज को लेकर विवाद करने लगे। उन्होंने आल्टो कार की मांग की। ससुराल पक्ष में पति हरिकेश, ससुर महेंद्र यादव, सास दशरथा और ननदें पूनम, पुष्पा और कुसुम शामिल हैं। ये सभी ममता को दरिद्र की बेटी कहकर अपमानित करते थे और उसे मारते-पीटते थे। ममता ने अपने मायके वालों को इस बारे में बताया। मायके वालों ने ससुराल वालों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। ममता को यह भी पता चला कि उसके पति हरिकेश का पिंकी नामक एक लड़की से संबंध था।

बिजली समस्या से परेशान ग्रामीण

उपकेंद्र पर किया प्रदर्शन, मुख्य अभियंता ने बिजली व्यवस्था ठीक कराने का दिया आश्वासन

सुलतानपुर, भदैया के ग्राम केशपट्टी के लगभग 30-40 ग्रामीणों ने मुख्य अभियंता कार्यालय रामगंज पहुंचकर बिजली समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने एक सप्ताह के भीतर बिजली समस्या को दूर करने की मांग की है। केशापट्टी गांव और कस्बा के निवासी खराब ट्रांसफार्मर बदलने और गांव के सभी खंभों के ढीले तारों को बदलने की मांग को लेकर रामगंज उपकेंद्र पहुंचे। ग्राम सभा केशरापट्टी (करखा) में पिछले सात दिनों से बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है। ढीले तार और खराब ट्रांसफार्मर की वजह से आधे गांव में बिजली नहीं पहुंच पा रही है। इस समस्या से ग्रामीण पिछले दो महीनों से परेशान हैं। उनका धैर्य जवाब दे गया और गांव के लोगों ने खराब तार व ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

बार एसोसिएशन कादीपुर का शपथ ग्रहण समारोह

पूर्व बार कौंसिल अध्यक्ष रहे मौजूद, पदाधिकारियों ने पद और गोपनीयता की ली शपथ

सुलतानपुर, कादीपुर बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी चुनाव 2025-26 के निर्वाचित अधिवक्ताओं का शपथग्रहण समारोह आज तहसील परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान सभी निर्वाचित पदाधिकारियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। समारोह में जनपद सत्र न्यायाधीश लक्ष्मीकांत शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह, सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय और बार कौंसिल उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। शपथग्रहण करने वाले पदाधिकारियों में अध्यक्ष बद्री प्रसाद सिंह और सचिव मंगला प्रसाद तिवारी प्रमुख रहे।

उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति ने जिला कारागार में लगाया सेवा शिविर

बहनों के लिए सूक्ष्म जलपान, कैदियों को बांटी टी-शर्ट साड़ियां व उपयोगी किट

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। रक्षाबंधन के पावन पर्व के शुभ अवसर पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व रविवार को जिला कारागार में अनोखे अंदाज में मनाया गया। आपको बताते चलें उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति लखनऊ के तत्वाधान में समिति चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के दिशा निर्देश पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति बहराइच इकाई द्वारा जिला सचिव/जेल विजिटर जिला कारागार बहराइच केशव कुमार मौर्य व उपाध्यक्ष शेरसिंह कसौधन के कुशल नेतृत्व में बहनों के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति जिला संयोजक संतोष कुमार मिश्रा व अतहर अली अज्जन का भरपूर सहयोग रहा। इस भव्य कार्यक्रम में कैदियों से मिलने आई बहनों के लिए जिला कारागार बहराइच के बाहर शीतल जल व नाश्ते की विशेष व्यवस्था समिति द्वारा करवाई गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन जेल अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। इस दौरान डिप्टी जेलर रंजीत सिंह, अंकित कुमार एवं श्रीमती माधुरी तिवारी रही। आए हुए सभी अतिथियों का फूल माला पहनाकर एवं बुकें देकर स्वागत किया गया। जेल अधीक्षक को समिति द्वारा वार्षिक सेवा पथ पुस्तक दर्पण देकर सम्मानित किया गया व बहनों को भी फल व नाश्ता वितरित कर फूल वाला पहनाकर कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत जेल में बंद महिला कैदियों को समिति की ओर से लगभग 100 साड़ियां, सूट, बिस्किट,

मंजन, ब्रश, साबुन, शैम्पू, सर्फ आदि से युक्त 100 किट भेंट की गई वहीं पुरुष कैदियों और बाल कैदीयों को भी टी-शर्ट व 10 कापी गायत्री परिवार से संबंधित कैदियों के लिखने के लिए शेर सिंह कसौधन द्वारा वितरित किया गया इस अवसर पर बहनों ने अपने भाई कैदियों को राखी बांधकर उनकी सलामती की दुआ की, वहीं भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। इसी क्रम में महिला सिपाहियों ने अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारीयों को रक्षासूत्र बांधकर आशीर्वाद दिया। अंत में जेल अधीक्षक ने समिति के इस मानवीय प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। भारत माता की जय वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर श्याम कुमार मिश्रा, महबूब अहमद, मोहम्मद कौसर, केसरी प्रसाद सोनी, रमेश कुमार मिश्रा, सीताराम शर्मा, विनोद कुशवाहा, राजेश कुमार शर्मा, मुन्नालाल कश्यप इमरान मेकरानी, मनीष कश्यप, गाजी पप्पू, रिंकू मिश्रा, प्रकाश पांडेय आदि दर्जनों सहयोगी लोग उपस्थित रहे।

युवक ने गर्रा नदी में लगाई छलांग

गोताखोरों ने 15 मिनट में निकाला, अस्पताल भेजा; नदियों के बढ़े जलस्तर के बाद कूदने की घटनाएं बढ़ीं

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, एक मंदबुद्धि युवक ने गर्रा नदी में छलांग लगा दी। वहां से गुजर रहे लोगों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से करीब 15 मिनट के अंदर ही युवक को नदी से बरामद कर लिया। उसकी सांसें चल रही थीं और पुलिस ने तत्काल उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया। गर्रा और खननौत नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जलस्तर बढ़ने के बाद से नदी में कूदने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान के लिए नाव और मोटरबोट की व्यवस्था कर रखी है। तहसील प्रशासन की तरफ से गर्रा पुल के पास एक स्टीमर भी लगाया गया है। दस बजे युवक गर्रा पुल से नदी में कूद गया। उसे कूदता देखकर लोगों ने शोर मचाया और मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्टीमर पर तैनात गोताखोरों को जानकारी दी। तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया और करीब 15 मिनट के अंदर युवक को बरामद कर लिया गया। पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि युवक को अस्पताल भेजा गया है। युवक कहां का रहने वाला है, इसकी जानकारी नहीं है। युवक मंदबुद्धि बताया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में इसी क्षेत्र में कई घटनाएं हुई हैं। तीन दिन पहले अजीजगंज के अमित कश्यप ने इसी जगह से नदी में छलांग लगाई थी, जिसका अभी तक कोई पता नहीं चला है। शनिवार की रात एक महिला ने पति की मारपीट से तंग आकर छलांग लगाने की कोशिश की थी, लेकिन लोगों ने उसे बचा लिया। लोधीपुर पुल से एक युवक ने रील बनाते हुए खननौत नदी में छलांग लगाई थी, जिसका शव शनिवार को दनियापुर गांव से बरामद किया गया।

प्राइवेट दुकानदार दुगने दाम में किसानों को बेच रहे यूरिया

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच में किसानों को यूरिया खाद न मिलने से उनकी चिंताएं बढ़ रही हैं, जहां एक ओर यूरिया खाद को लेकर साधन सहकारी समितियों पर किसानों की लम्बी लाइन व धक्का मुक्की तक देखी गई है तो वहीं ऐसे में प्राइवेट उर्वरक विक्रेता दुगने दामों पर किसानों को यूरिया की बिक्री कर रहे हैं। यूरिया की कालाबाजारी करने वाले प्राइवेट दुकानदार पहले तो यूरिया की खेप का डंप कर लेते हैं और बाद में गरीब किसानों को दुगने दामों पर उसे बिक्री करते हैं। साधन सहकारी समितियों पर किसानों को जब उचित मात्रा में यूरिया नहीं मिल पाया तो प्राइवेट दुकानदारों से दुगने मूल्य पर बाढ प्रभावित क्षेत्र का किसान यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। आज रविवार को यूरिया खरीद कर जा रहे किसानों ने बताया कि शिवपुर ब्लाक क्षेत्र के रामपुर धोबिया बाजार में एक प्राइवेट खाद्य व्यापारी के द्वारा 500 रुपए प्रति बोरी के मूल्य से यूरिया खाद बेची जा रही है। अभी तक हम लोगों को साधन सहकारी समिति से यूरिया नहीं मिल पाई है, इसलिए हम लोग 500 रुपए प्रतिबोरी की दर से यूरिया लेने को मजबूर हैं। जबकि क्षेत्र काफी बाढ़ प्रभावित है और यहां का किसान कभी सूखा तो कभी बाढ़ से ग्रसित रहा है, देवी आपदाओं के कारण अक्सर इस क्षेत्र के किसानों की फैसले नष्ट होती रही हैं जिससे इस क्षेत्र के अधिकतर किसान मजदूरी करने को विवश है। अब देखना है कि दुगने दाम पर यूरिया उर्वरक की बिक्री करने वाले प्राइवेट दुकानदार के विरुद्ध प्रशासन क्या ठोस कार्यवाही कर पता है? अथवा ऐसे ही यूरिया के नाम पर गरीब किसानों के लूटे जाने का नजारा देखता रहेगा प्रशासन।

मिशाल: नशा मुक्ति की मुहिम में संकल्पबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता एस पी सिंह

अमन लेखनी समाचार/मोहम्मद कौशर

रुपईडीहा, बहराइच। सामाजिक परिवर्तन की राह में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो निस्वार्थ भाव से समाज की भलाई के लिए दिन-रात जुटे रहते हैं। ऐसे ही एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं शिव पूजन सिंह, जो लंबे समय से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। समाज में बढ़ते नशे के प्रचलन को देखते हुए उन्होंने एक दृढ़ संकल्प लिया है नशा मुक्त समाज का निर्माण। शिव पूजन सिंह की मुहिम केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक जनजागरण आंदोलन बन चुकी है। नगर पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वह लगातार लोगों से मिलकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं। उनके प्रयासों में खास बात यह है कि वे केवल मंचों से भाषण नहीं देते, बल्कि घर-घर जाकर लोगों से संवाद करते हैं, युवाओं को समझाते हैं और परिवारों को जोड़ने का प्रयास करते हैं। शिव पूजन सिंह का मानना है कि यदि देश के युवा दिशा से भटक जाएं तो समाज कमजोर हो जाता है। इसलिए उनकी मुहिम का केंद्र युवाओं को नशे से दूर रखना है। स्कूलों, कॉलेजों और मोहल्लों में जाकर वे संवाद सत्र और समूह चर्चा के माध्यम से युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। अपनी इस सामाजिक मुहिम को और अधिक व्यापक बनाने के लिए शिव पूजन सिंह आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और धार्मिक संगठनों से सहयोग की अपील भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि नशा कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक संकट है। इससे मिलकर ही लड़ा जा सकता है। उनकी जागरूकता के परिणामस्वरूप कई गांवों में शराब और अन्य नशीली वस्तुओं का सेवन करने वाले लोगों ने नशा छोड़ने की कसम खाई है। कुछ जगहों पर तो स्थानीय युवाओं ने स्वयं संगठित होकर उनके अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। शिव पूजन सिंह की यह सतत मुहिम इस बात का प्रमाण है कि यदि इच्छाशक्ति दृढ़ हो और उद्देश्य साफ हो, तो एक व्यक्ति भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है। नशे के खिलाफ उनकी यह लड़ाई न केवल सराहनीय है, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है जो समाज को बेहतर बनाना चाहता है। एक नशा छोड़ो, हजारों सपनों को संवारो यही है शिव पूजन सिंह का संदेश।

बाइक सवार मवेशी से टकराये, एक की मौत तो दूसरा गम्भीर रूप से घायल

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के मटिहामोड रामपुर धोबिया मार्ग पर भरिया मोड के पास एक बाइक सवार शनिवार की रात लगभग 8 बजे छुट्टा मवेशी से टकराकर गिर गया, जिससे एक बाइक सवार की मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर पहुंची मोतीपुर पुलिस ने दोनों घायलों को सडक से हटाया जिसके बाद घटनास्थल नानपारा कोतवाली क्षेत्र होने के कारण विधिक कार्यवाही नानपारा पुलिस ने करते हुये शव को पोस्टमार्टम हेतु बहराइच भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लगदिहा निवासी मनीराम 45 पुत्र राम कुमार व बलवंत 25 पुत्र राम कुमार दोनों भाई बाइक से रिस्तेदारी में अंतिम संस्कार के लिए गये थे रात लगभग,8 बजे घर वापस जा रहे थे तभी मटिहा रोड के भरिया मोड के पास पंहुचते ही बाइक सवार छुट्टा मवेशी से टकरा गये जिससे दोनों भाई गम्भीर रूप से घायल हो गये। वहीं सूचना पर मौके पर पंहुची मोतीपुर पुलिस ने दोनों को सीएचसी मोतीपुर पंहुचाया जहां पर बलवंत को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और मनीराम को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज रिफर कर दिया है। परिजनों ने उन्हें प्राइवेट अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया है। घटनास्थल नानपारा कोतवाली क्षेत्र में होने के कारण मोतीपुर पुलिस द्वारा नानपारा पुलिस को सूचना दी गई एवं मौके पर पहुंची नानपारा पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

पानी के गड्ढे में मिला मगरमच्छ

वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया, कठिना नदी में छोड़ा

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, जनपद के निगोही थाना क्षेत्र के गांव खजुरिया खुर्द में रविवार को एक पानी के गड्ढे में मगरमच्छ दिखने से हड़कंप मच गया। मगरमच्छ को देखकर गांववालों में दहशत फैल गई और यह खबर तेजी से पूरे इलाके में फैल गई। ग्रामीणों ने तुरंत उत्तर प्रदेश पुलिस की हेल्पलाइन 112 पर सूचना दी। गांव के कुछ साहसी युवकों ने मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद वन विभाग को भी सूचित किया गया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने साहस का परिचय देते हुए काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को रस्सियों से बांधकर बोरी में बंद किया। टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू कर गांव से लगभग 2 किलोमीटर दूर बहने वाली कठिना नदी में छोड़ दिया। स्थानीय लोगों का मानना है कि बरसात के मौसम में नदी में पानी बढ़ने के कारण यह मगरमच्छ खेतों के रास्ते होकर गांव के पानी के गड्ढे तक पहुंच गया होगा। वन विभाग के डिप्टी रेंजर अजय सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित नदी में छोड़ दिया है। उन्होंने बरसात के मौसम में ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

दो नफर वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गये जेल

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। आदर्श थाना रुपईडीहा पर जिले में चलाए जा रहे हैं अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बहराइच व पुलिस क्षेत्राधिकार नानपारा के आदेशों पर आदर्श थाना रुपईडीहा के प्रभारी निरीक्षक रमेश रावत के कुशल नेतृत्व में दो नफर वारंटी गिरफ्तार किए गए। बालक राम सोनकर पुत्र हजारी प्रसाद सोनकर उम्र 45 वर्ष वह रमेश कुमार सोनकर पुत्र छोटेलाल सोनकर उम्र 44 वर्ष निवासी खुदराला थाना रुपईडीहा तहसील नानपारा जनपद बहराइच को न्यायालय के आदेश अनुसार सुसंगत धाराओं में जिला कारागार बहराइच के लिए रवाना किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष की नगर वासियों से अपील

नगर को स्वच्छ व साफ सुथरा बनाने में करें सहयोग

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। आदर्श नगर पंचायत रुपईडीहा के अध्यक्ष डॉक्टर उमाशंकर वैश्य ने नगर पंचायत के नागरिकों से अपील की है कि सभी लोग स्वच्छता मे नगर पंचायत के कर्मियों का सहयोग करें एवं देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सपनों को साकार करने में मदद करे। नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि नगर पंचायत कर्मियों के द्वारा सुबह 8:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 तक नियमित सफाई कर्मी गाड़ी लेकर हर वार्ड में जाते हैं उसके बावजूद भी रात्रि में लोग अपना कूड़ा सड़क पर फेंक देते हैं जिससे स्वच्छता जो संकल्प लिया गया था उसे पूर्ण करने में असुविधा हो रही है ।सभी से निवेदन किया जा रहा है कि आप लोग अपने घर का जो भी कूड़ा हुआ आपके दरवाजे पर जो गाड़ी आए उसी में डालें। नगर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें।

हार्डवेयर कारोबारी और बेटे को लूटा

एक लाख कैश, मोबाइल और कार की चाबी लूटकर बदमाश फरार, तमन्चे की बट मारकर सिर फोड़ा

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , थाना अकराबाद इलाके में बेखौफ कार सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। हार्डवेयर कारोबारी और उसके बेटे से एक लाख 2 हजार नगद, मोबाइल और कार की चाबी लूटकर बदमाश फरार हो गए। बदमाशों ने तमंचे की बट मारकर हार्डवेयर कारोबारी का सिर फोड़ दिया। कार के शीशे भी तोड़ दिए। लूट की वारदात की खबर पर एसएसपी और सीओ थाने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से अकराबाद के कस्बा पिलखना के रहने वाले दिलशाद पुत्र इरशाद खान शहर के जमालपुर के रहते हैं। पिलखना में हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं। गुरुवार रात्रि दुकान बंद कर बेटा जुल्फिकार के साथ कार से जमालपुर जा रहे थे। कार नानऊ पिलखना रोड़ स्थित गांव उकावली के पास पहुंची थी। तभी पीछे से कार सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर उनकी कार रुकवा ली। बदमाशों ने पहले कार के दोनों तरफ और सामने के शीशे तोड़ डाले। उसके बाद तमंचे की बट मारकर दिलशाद को घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि बदमाश उनसे 86 हजार रुपये, फोन के अलावा बेटे का पर्स और कार की चाबी लूटकर भाग गए। बेटे के पर्स में करीब 16 हजार रुपये रखे थे। बदमाश अर्टिका कार में सवार थे। जिस पर यूपी 85 लिखा था। बाकी नम्बर देख नहीं पाए। कार में 5-6 बदमाश थे। हार्डवेयर कारोबारी से लूट की खबर पर एसएसपी और सीओ मौके पर आ गए। उन्होंने पीड़ित कारोबारी और बेटे से घटना की जानकारी ली। घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया। उधर, पुलिस का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

मानसिक रूप से बीमार युवक की मौत

लखनऊ-वाराणसी रेलखंड में घर से लौटते समय हुआ हादसा

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, लखनऊ-वाराणसी रेलखंड पर उत्तर गांव के पास एक दुर्घटना में ट्रेन की चपेट में आने से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजकुमार के रूप में हुई है। वह राम कृपाल के पुत्र थे और राजापुर, थाना कुड़वार के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक अमित मिश्रा ने बताया कि पंचनामा की कार्यवाही चल रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आवश्यक विधिक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। मृतक के भाई संदीप ने बताया कि राजकुमार मानसिक रूप से बीमार थे। उन्हें सुनाई भी नहीं देता था। वह अपने चाचा के घर धम्मौर थाना क्षेत्र के लंगड़ी गए थे बृहस्पतिवार की रात में वहां से लौटते वक्त उत्तर गांव के पास ट्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। राजकुमार अविवाहित थे और अपने भाई के यहां रहते थे। दो साल पहले थ्रेसर में गेहूं लगाते वक्त उनका एक हाथ भी कट चुका था। मृतक के माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। राजकुमार के चार भाई हैं। वह चारों भाइयों में से दूसरे नंबर के थे और अपने बीच वाले भाई नन्नू के साथ रहते थे।

5 खाद विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

एक किसान को 40 बोरी से अधिक खाद देने का मामला, जांच जारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने एक किसान को 40 बोरी से अधिक उर्वरक देने के मामले में पांच उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इन विक्रेताओं के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। निलंबित विक्रेताओं में राजपूत ट्रेडर्स (कमलानगर), रिछौरा कृषि वानिकी सहकारी समिति (रिछौरा), जैनुल आबदीन खाद भंडार (भिलाई कला), कर्मशेर खाद भंडार (जोधनपुर) और नवीन हरियाली कृषि सेवा केंद्र (पूरे चितई) शामिल हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि इन प्रतिष्ठानों से उर्वरक खरीदने वाले किसानों का सत्यापन किया जा रहा है। यह सत्यापन संबंधित विकास खंड के सहायक विकास अधिकारी (कृषि) के माध्यम से कराया जा रहा है। सत्यापन के बाद दोषी पाए जाने पर विक्रेताओं के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने सभी उर्वरक प्रदायकर्ता कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे थोक विक्रेताओं को अनुदानित उर्वरकों के साथ किसी भी अन्य उत्पाद की टैगिंग न करें। साथ ही फुटकर विक्रेताओं को भी चेतावनी जारी की गई है। विक्रेताओं को बिक्री रजिस्टर में किसान का नाम, पता, मोबाइल नंबर और खरीदे गए उर्वरक की मात्रा दर्ज करनी होगी। इसका मोबाइल नंबर के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। किसानों की खतौनी देखकर जोत के अनुसार ही उर्वरक का वितरण करना अनिवार्य है। एक ही किसान को बार-बार उर्वरक न बेचने की हिदायत भी दी गई है।

संक्षेप

तीन घरों व एक दुकान से नकदी व जेवरात चोरी

पंधरी गांव में चोरों ने दी घटना का अंजाम

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। थानाक्षेत्र के पंधरी गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने तीन घरों में एक दुकान को निशाना बनाया। तीन घरों से करीब एक 112000 नकद व चार लाख के जेवरात चोरी कर ले गए। वहीं दुकान से एक हजार रुपये चोरी हो गए। पीड़ितों ने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस मौका मुआयना कर जांच कर कार्यवाही कर रही है थानाक्षेत्र के पंधरी गांव निवासी उदय प्रसाद ने बताया कि बीती रात करीब 1:00 से 3:00 बजे के बीच चोरों ने घर में घुसकर 60 हजार रुपये की नकदी व दो लाख के जेवरात पार कर दिए है। इसी तरह चंद्र कुमार ने बताया कि चोरों ने उसके घर पर धावा बोलकर 50 हजार की नकदी व दो लाख के जेवरात चोरी कर ले गए। स्वामी प्रसाद ने बताया कि उसके घर से दो हजार रुपये चोरी हुए हैं। वहीं योगेश दुकानदार ने बताया कि उसकी दुकान से चोरों ने एक हजार रुपये चोरी कर ले गए हैं। एक ही रात में तीन घरों व एक दुकान पर चोरी होने से गांव में सनसनी फैल गई है। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर देकर चोरी के खुलासा करने की मांग की है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीरें मिली हैं। मामले की जांच कर कार्यवाही की जा रही है

अनियंत्रित स्कूटी डिवाइडर से टकरायी युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कस्बे के फुलवरिया मोड़ पर शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई रायबरेली जनपद के बछरावां थाना क्षेत्र के जियालालखेड़ा गांव निवासी देवीदीन ने बताया कि उनका बेटा अमर बहादुर यादव (24) लखनऊ के चिनहट स्थित एक होटल में काम करता था बीते शुक्रवार को वह रक्षाबंधन मनाने अपने घर आया था शनिवार को बहन से राखी बंधवाने के बाद वह स्कूटी से वापस अपने कार्यस्थल की ओर जा रहा था परिजनों के अनुसार जैसे ही अमर बहादुर फुलवरिया मोड़ के पास पहुंचा स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई टक्कर इतनी तेज थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल को ट्रॉमा सेंटर भेजा जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई सूचना पाकर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कैंसर पीड़ित महिला की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र की एक कैंसर पीड़ित महिला की मौत इलाज के दौरान सरकारी अस्पताल में हो गई। इस घटना से मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र सिसोलर के ग्राम भैंसमरी निवासी इमरती देवी 55 वर्ष पत्नी सोहनलाल कैंसर की बीमारी से पीड़ित थी जिसका इलाज भी चल रहा था। अचानक शनिवार की रात उसकी हालत बिगड़ने पर उसके परिजन उसे सरकारी अस्पताल मौदहा लेकर पहुंचे जहां उसकी हालत नाजुक देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर मुख्यालय के लिए रेफर कर दिया लेकिन सदर अस्पताल जाने के पहले ही महिला की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना से अस्पताल में मौजूद उसके परिजनों में रोना पीटना मच गया बाद में उसके परिजनों ने उसका शव गांव ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर केस

मेरठ , पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर क्षेत्र में खुले और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के दौरान कुल 127 स्थानों की जांच की गई।

केएम विवि में हुआ हर घर तिरंगा कार्यक्रम का शुभारंभ

- विवि कुलाधिपति ने देशप्रेम और वीर जवानों के बलिदानों से छात्र-छात्राओं को कराया अवगत
- केएमयू के छात्र-छात्राएं 12 अगस्त को निकालेंगे तिरंगा रैली

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान 7 अगस्त से 15 अगस्त सप्ताहभर पूरे देश में चलाया जा रहा है, इसी श्रृंखला में केएम विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा कार्यक्रम की शुरूआत विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलसचिव डा. पूरन सिंह, विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर की। कुलाधिपति ने अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को तिरंगा शपथ दिलाई और विद्यार्थियों से हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान करते हुए देश-दुनिया में हो रही प्रासंगिक घटनाओं का जिक्र किया और देश प्रेम और वीर जवानों के बलिदानों पर प्रकाश डाला और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय तिरंगा का महत्व समझाया। वहीं छात्र-छात्राएं एवं विवि के सभी संकायों के डीन-प्रोफेसरों ने शपथ ली कि वह तिरंगा फहराएंगे, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों की भावना का सम्मान करेंगे और भारत के विकास और प्रगति के प्रति स्वयं को समर्पित करेंगे। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा घर तिरंगा अभियान की शुरूआत हो गई है, हम सभी लोग अपने गाँव, अपने पड़ोस और अपने घर तिरंगा फहराएँगे। उन्होंने कहा 15 अगस्त तक सेल्फी पॉइंट कार्यक्रम जारी रहेगा तथा 11 अगस्त को विवि के परिसर में तिरंगा साज-सज्जा कार्यक्रम, 12 अगस्त को विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा रैली.निकाली जाएगी, 14 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज निर्माण का इतिहास पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी एवं 15 अगस्त को कुलाधिपति, कुलपति, समस्त अधिकारी, शिक्षक- विद्यार्थियों, एवं कर्मचारी द्वारा ध्वजारोहण एवं देश भक्ति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित

किए जाएंगे। मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा हर घर तिरंगा अभियान हमारे लिए अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश के प्रति अपना प्यार और सम्मान दिखाने का एक तरीका है, यह हमें न केवल अपने देश के इतिहास को याद दिलाता है बल्कि एक राष्ट्र के रूप में हमें एक दूसरे के करीब लाता है। इस अवसर पर छात्रा द्वारा काकोरी ट्रैन एक्शन के बारे में सभी को विस्तार से बताया। विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने कहा हमारा विश्वविद्यालय छात्रों के साथ साथ सभी में देशभक्ति की भावना को प्रेरित करने के लिए इस अभियान तहत हम सभी अपने घरों में गर्व से झंडा फहराकर अपने देश के प्रति अपना प्यार दिखाएं। इस दौरान उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया हम हर घर तिरंगा कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेते हुए देश प्रेम की भावना से अपने पड़ौसी, साथी अन्यों को अवगत करायेंगे। तभी हमारा भारत देश एक दिन विश्वगुरु बनकर उभरेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि देवी सिंह (डीएम), विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, उप रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, असिटेंट रजिस्ट्रार देवेन्द्र कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक मनोज कुमार ओझा , वेटरिनरी डीन डा. पीताम्बर सिंह, खेलकूद निदेशक आरके शर्मा, एनॉटामी डीन डा. हरिनारायण यादव, संतोष ठाकुर, मेडीकल सुप्रीटेंट डा. अभय शूद, एएमएस डा. आरपी गुप्ता, डा. जेपी उपाध्याय, डा. धन सिंह, रोहित तिवारी, कुर्शिदा आलम, पुण्डीर, त्यागी, पायल, सौभ्या, प्रो. जगवीर चौधरी, दीपक माथुर आदि सहित विवि के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्कूल के बच्चों ने उत्साह के साथ निकली तिरंगा रैली

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। हर घर तिरंगा अभियान 2025 एवं काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर जनपद के समस्त खंड विकास कार्यालयों एवं स्कूलों में निकाली गई विशाल तिरंगा रैली। शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। हर घर तिरंगा अभियान 2025 एवं काकोरी ट्रेन एक्शन के अवसर पर बल्देव, गोवर्धन, छाता, राया, नौहझील आदि विकास खंड कार्यालयों से माननीय जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई। राजकीय हाई स्कूल लोहवन मथुरा में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव पर प्रभात फेरी/ तिरंगा रैली छात्र-छात्राओं और सभी शिक्षकों के साथ निकाली गई। बच्चों ने काकोरी एक्शन पर आधारित निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। शिक्षाओं के द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी के विषय में जानकारी दी गई। नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज वृंदावन में तिरंगा से प्रेरित पेंटिंग प्रतियोगिता छात्राओं द्वारा कराई गई। सर्वोदय इण्टर कॉलेज चौमुहॉ मथुरा में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 2025 मनाया गया, जिसमें प्रधानाचार्य डॉ रूमा कुमारी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। एनसीसी कैडेट, छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टाफ ने भारत माता की जय घोष एवं नारे लगाते हुए बड़े उत्साह के साथ विद्यालय से लेकर चौमुहॉ बाजार होते हुए पुनः विद्यालय तक रैली निकाली गयी। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 2025 मनाते हुए छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली, पोस्टर, निबंध ,वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा आपस में राखी भी बांधी गयी।

सरकारी स्कूलों के मर्ज के विरोध में धरना प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में कम संख्या वाले स्कूलों को मर्ज करने के आदेश के खिलाफ मथुरा में सामाजिक संगठन द्वारा एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। रविवार को डीग गेट तिराहा स्थित डॉ अंबेडकर भवन पर डॉ, अम्बेडकर सामाजिक अधिकार मंच के बैनर तले संगठन के तमाम पदाधिकारी व कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि अगर सरकार ने इस फैसले को वापस नहीं लिया तो वह आंदोलन को बाध्य होगे उन्होंने कहा है कि स्कूलों के मर्ज से गरीब लोगों के बच्चे पढ़ाई से वंचित होंगे इसलिए योगी सरकार को स्कूलों को मर्ज नहीं करना चाहिए। सरकार कंपोजिट विद्यालयों की जगह कंपोजिट शराब के ठेके खोल रही है. विरोध करने वाले लोगों ने कहा कि राइट टू एजुकेशन नियम के तहत 6 से 14 साल के बच्चों के लिए शिक्षा देना सरकार की पहली जिम्मेदारी है. इसके बावजूद यूपी सरकार 27 हजार 764 स्कूल बंद करने की तैयारी में है. पहले चरण में 5000 स्कूल बंद करने के लिए सूचीबद्ध स्कूलों के नाम मांगे जा चुके हैं. यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है. वन नेशन वन एजुकेशन की बात होनी चाहिए. रविवार की दोपहर 3 बजे संस्था के संस्थापक जितेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक फैसला वापस नहीं लिया जाएगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

यमुना का बढ़ता जलस्तर चिंताजनक डीएम ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने तहसील महावन के अंतर्गत ग्राम नगला अकोस में यमुना जी के जल स्तर का निरीक्षण किया। उन्होंने यमुना जी की धारा से हुए मार्ग कटान / सड़क कटान का अवलोकन किया। उन्होंने ग्रामवासियों से वार्ता की तथा आश्वासन दिया कि उक्त मार्ग/सड़क को शीघ्र सुदृढ़ कराते हुए संचालित कर दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों से अनुरोध किया कि यमुना जी के आस पास के क्षेत्र में न जाए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी महावन कंचन गुप्ता को निर्देश दिए कि लेखपाल एवं ग्राम सचिव की ड्यूटी लगाई जाए। उक्त क्षेत्र में पुलिस निरंतर गश्त करती रहे तथा सभी की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखे। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि उक्त मार्ग को संचालित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। जो भी व्यक्लिपक व्यवस्था हो उसे शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान, सचिव, लेखपाल तथा तहसीलदार को निर्देश दिए कि जलभराव एवं पानी से प्रभावित फसलों का सर्वे गुणवत्तापूर्वक सुनिश्चित करे। वर्षा के दृष्टिगत क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करे तथा उनके मुआवजे की कार्यवाही हेतु शीघ्र कार्य करे। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रभावित किसानों एवं परिवारों की सहायता की जा रही है। सभी का सर्वे किया जा रहा है तथा ससमय मुआवजा देने की कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी महावन को निर्देश दिए कि निरंतर यमुना जी के जल स्तर कर निगरानी रखे तथा ग्राम वासियों की समस्त समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। ग्राम अकोस के निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वृंदावन के केशी घाट का निरीक्षण किया तथा यमुना जी के जल स्तर का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सभी नाव बंद कर दी गई है। घाटों के आस पास निरंतर अनाउंसमेंट किया जा रहा है कि यमुना जी के किनारे न जाए। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा भ्रमणशील रहकर सभी क्षेत्रों का जायजा लिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि सुबह 8 बजे से यमुना जी के जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है तथा आगामी 24 घंटे में पानी और कम हो जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 33 बाढ़ चौकियां स्थापित कराई गई है तथा 25 स्थानों पर बाढ़ शरणालय स्थल बनाए गए है। निचले इलाकों/क्षेत्रों पर नियमित नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में 25 बाढ़ शरणालय (रेस्क्यू सेंटर) विभिन्न धर्मशाला एवं विद्यालय में खोले गए है, जिसमें खाने, पीने, शौचालय, मेडिकल किट आदि मूल-भूत सुविधाएं है।

बहनों ने बंदी भाइयों को बांधी राखियां

कारागार की व्यवस्थाओं से खुश नजर आई बहने जमकर की तारीफ

अमन लेखनी समाचार

मथुरा जिला कारागार में भाई-बहन का त्योहार रक्षाबन्धन बड़े धूम-धाम से मनाया गया। कारागार के बाहर मुलाकात के लिए आयी सभी बहनों एवं माताओं को गर्मी से बचाव हेतु कारागार द्वारा टेन्ट लगवाकर छाया करवायी गयी। उक्त अवसर पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारियों के द्वारा कारागार के बाहर मुलाकात के लिए आने वाली महिलाओं के पीने हेतु शीतल जल एवं शरबत का काउन्टर लगवाया गया। उनके द्वारा सभी के लिए एक-एक पैकट पारले बिस्कुट एवं बच्चों के लिए चॉकलेट की व्यवस्था करायी गयी। कारागार के अन्दर भी एक बड़ा टेन्ट लगवाया गया जिसमें बड़े कूलर लगवाये गये तथा मुलाकात स्थल पर शीतल जल का प्रबन्ध कराया गया। जो महिला किन्ही कारणों से राखी नही ला पायी उनकी सुविधा के लिए जगह-जगह राखी, रोली व चावल रखवाये गये। इस अवसर पर बाहर से 1549 महिला एवं 767 बच्चे इस प्रकार कुल 2316 परिजन अपने कुल 898 बंदियों से मुलाकात हेतु कारागार पर आये। 10 पुरूष भी बाहर से कारागार में निरूद्ध अपनी बहनो से राखी बंधवाने कारागार पर आये उनकी मुलाकात भी करायी गयी। कारागार में तैनात महिला कार्मिकों ने जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग एवं जेलर सुरेंद्र मोहन सिंह को अपना भाई मानकर उनको राखियां बांधी। उक्त के अतिरिक्त एक बहन जिसका भाई जिला कारागार मथुरा में ही निरुद्ध था उनकी भी मुलाकात कराकर राखियां बंधवायी गयी। रक्षा बन्धन का त्योहार सकुशल कारागार में संम्पन्न हुआ।

दुर्घटना में घायल एसपीजी कमांडो अस्पताल में भर्ती

यमुना एक्सप्रेस वे पर दुर्घटनाग्रस्त हुई कार

अमन लेखनी समाचार

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर कार आगे चल रहे ट्रक ट्रेलर में जा घुसी। हादसे में एसपीजी कमांडो गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार रात 11.30 पर ट्रक ट्रेलर में पीछे से कार घुस गई। हादसे में एसपीजी कमांडो गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें आगरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है सीओ संजीव राय ने बताया कि नौ अगस्त रात 23.30 बजे यमुना एक्सप्रेसवे माइलस्टोन 133 पर दुर्घटना हो गई। इसमें एक ट्रक ट्रेलर में पीछे से कार जा टकराई। कार को एसपीजी कमांडो विकास पुत्र कृष्ण कुमार निवासी फसौली, थाना मलपुरा, आगरा चला रहे थे।

उन्हें घायल अवस्था में एम्बुलेंस से आगरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है।

महिला दरोगा की गाड़ी से मौत पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, नंदगांव- बरसाना मार्ग पर लगाया जाम

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। नंदगांव में महिला दरोगा की गाड़ी से हुयी दुर्घटना में ग्रामीण की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर उतर आया। महिला चौकी प्रभारी को बचाने और अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज करने को लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा काटा और नंदगांव बरसाना रोड जाम कर दिया। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने नंदगांव चौकी का घेराव कर लिया। इस दौरान भारी संख्या में महिला- पुरूष मौजूद थे जो पुलिस कार्यवाही को लेकर सवाल उठा रहे थे। समचार लिखे जाने तक ग्रामीण फरीदाबाद से सब आने का इंतजार कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार नंदगांव स्थित भूरे का थोक निवासी बाबूलाल गत 08 अगस्त को शाम करीब 07 बजे खेत से घर आ रहे थे। उनके साथ विष्णु पुत्र मोहना निवासी नंदगांव भी था। बरसाना रोड स्थित कृष्णा कॉलेज के सामने रास्ते में बरसाना की तरफ से आ रही तेज रफ्तार वैगनआर कार संख्या आरजे 40 सीए 2440 ने बाबूलाल में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। तेज रफ्तार कार से यह हादसा हुआ जिसकी वजह से टक्कर मारने के बाद कार पेड़ पर चढ गयी। घायल को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां आज फरीदाबाद में बाबूलाल की मौत हो गयी। बाबूलाल की मौत और पुलिस द्वारा आरोपी महिला उपनिरीक्षक को बचाने को लेकर आज सुबह करीब 11 बजे ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होने नंदगांव चौकी का घेराव कर डाला। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने नंदगांव बरसाना रोड को बंद कर दिया और बैरियर लगाकर जाम लगा दिया। करीब 15 मिनट तक वाहनों की कतारं लग गयीं। ग्रामीण बेहद आक्रोश में थे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। बाद में पुलिसकर्मियों ने किसी तरह समझा कर सड़क से बैरियर हटवाए। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस अपने ही अफसर को बचाने में लगी हुई है और गरीब परिवार को न्याय से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण मृतक के शव का फरीदाबाद से आने का इंतजार कर रहे थे।

आरोप- चौकी इंचार्ज को बचा रहा पूरा थाना

इस संबंध में परिजनों का कहना है कि जिस कार से यह दुर्घटना हुयी उसे कोकिलावन चौकी प्रभारी महिला सब इंस्पैक्टर कुंजन चौधरी चला रही थीं। हादसे के बाद पुलिस ने गाड़ी को थाने में लाकर खड़ा कर दिया और उसकी नंबर प्लेट उखड़वा दी। यहां तक कि मुकदमे में से कुंजन सिंह का नाम हटा दिया। आरोप लगाते कहा कि पुलिस कार्यवाही में साथ नहीं दे रही है। महिला उपनिरीक्षक को बचाने में पूरा थाना लग गया है। ग्रामीणों ने पुलिस पर उचित कार्यवाही न करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा में से कुंजन सिंह के नाम को हटा दिया है और वैगनार कार के अज्ञात चालक के नाम रिपोर्ट दर्ज की है।

तहरीर के आधार पर दर्ज हुयी रिपोर्ट: इंस्पैक्टर

आज ग्रामीणों द्वारा हंगामा किये जाने और पुलिस पर महिला दरोगा को बचाने का आरोप लगाने के सवाल पर बरसाना थाना प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा ने बताया कि जिस प्रार्थनापत्र को परिजन स्वयं लिखकर लाये थे उसी के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। परिजनों ने ही गाड़ी नंबर दिया था और चालक को अज्ञात बताया था। मामले की जांच पड़ताकल की जा रही है। इसमें जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

बिजली का तार टूटकर गिरा

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, सुदामपुरी कालोनी में एक बड़ा हादसा होने से बच गया। कालोनी की मुख्य सड़क पर ग्यारह हजार वोल्ट की हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। तार से लगातार चिंगारियां निकलती रहीं, जिसे देखकर स्थानीय लोग सहम गए। कॉलोनी निवासी जावेद ने बताया कि तार टूटने की सूचना तुरंत बिजली विभाग के लाइनमैन को दी गई थी। लेकिन 30 मिनट से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो लाइनमैन मौके पर पहुंचा और न ही बिजली सप्लाई बंद की गई। स्थानीय लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए अपने घरों में शरण ली। जिंदा तार से निकलती चिंगारियों को देखकर लोगों में डर का माहौल बना रहा। इस लापरवाही को लेकर स्थानीय निवासियों में बिजली विभाग के खिलाफ रोष है। अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि बिजली का तार जोड़ने का काम किया जा रहा है।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

48 घंटे के विशेष अभियान में पुलिस ने काटे 2760 चालान, बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों पर एक्शन

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए यातायात पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस लगातार नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों का चालान कर चेतावनी भी दे रही है। इसी क्रम में जिले में दो दिनों का सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 2760 चालान किए गए। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 2760 चालान जारी किए। इनमें दोपहिया वाहन चालकों के बिना हेलमेट चलाने पर 1970 चालान, तीन सवारी पर 122, चारपहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट लगाए चलने पर 96, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 557 और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर 15 चालान किए गए। इसके अलावा, 07 अगस्त से शुरू हुए एक्सप्रेसवे और राजमार्ग किनारे अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ सात दिवसीय विशेष अभियान के तहत पहले ही दिन 219 वाहनों के चालान किए गए। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं और शराब पीकर वाहन चलाने से बचें। नियमों का पालन कर न केवल अपनी बल्कि दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करें। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ चालान के साथ-साथ वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- गाजियाबाद पुलिस ने 3 शातिर चोरों को दबोचा, 8 लाख की ज्वेलरी और नकदी बरामद

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने बंद मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से करीब 8 लाख रुपए की ज्वेलरी और 27,540 नकद बरामद किए गए हैं। बरामद सामान में 02 सोने की चेन, 02 अंगूठी, 02 जोड़ी टॉप्स, 01 जोड़ी लटकन, 04 जोड़ी चांदी की पायल शामिल हैं। रोहित कटियार ने थाना शालीमार गार्डन में तहरीर दी थी कि 3 अगस्त को उनके ससुर संजय कटियार के बंद घर में अज्ञात चोरों ने नगदी और जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर 8 अगस्त को वी केयर हॉस्पिटल कट के पास से आरोपी वकील अहमद, प्रमोद और सोनू को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में तीनों ने चोरी की वारदात कबूल की और बताया कि वे कुछ माल दिल्ली में राह चलते लोगों को बेच चुके थे। वे बाकी सामान बेचने की फिराक में घूम रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में वकील अहमद (दिल्ली),

प्रमोद (हरियाणा) और सोनू (दिल्ली) शामिल हैं। वकील अहमद पर पहले से गाजियाबाद और साहिबाबाद में चोरी के चार मामले दर्ज हैं, जबकि प्रमोद और सोनू पर भी शालीमार गार्डन थाने में पूर्व में चोरी और बरामदगी के मामले दर्ज हैं।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से सात वर्षीय मासूम छात्र की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा इलाके में रविवार दोपहर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक में ठोकर मार दी।जिससे बाइक पर पीछे बैठा कक्षा एक का 7 वर्षीय मासूम छात्र उछलकर नीचे गिरा और घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे पास के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक पारा थाना क्षेत्र के सूर्य नगर निवासी विक्रम सिंह का 7 वर्षीय बेटा आदविक सिंह मानक नगर के सीएमएस में कक्षा 1 का छात्र था। विक्रम सिंह रविवार दोपहर बेटे आदविक को बाइक से लेकर अपनी ससुराल उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना अंतर्गत निबहरी में सत्य प्रताप सिंह के यहां जा रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे वह जैसे ही बंथरा कस्बे में बाजपेई बर्तन दुकान के सामने पहुंचे, तभी पीछे से जा रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बगल से निकलने के दौरान उनकी बाइक के हैंडल में ठोकर मार दी। जिससे बाइक असंतुलित हो गई और उस पर पीछे बैठा आदविक नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।बाद में आनन फानन उसे कुछ दूर स्थित प्रसाद हॉस्पिटल पहुंचाया गया। लेकिन कुछ देर बाद इलाज के दौरान आदविक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

अधिवक्ता सुशील कुमार को बार काउंसिल ने दस साल के लिए किया निलंबित...

बार काउंसिल ने देशभर में वकालत पर लगाई रोक पत्नी की शिकायत में तीन शादियों और मारपीट के गंभीर आरोप

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। वकालत पेशे में अनुशासन और आचरण की मयार्दा को सख्ती से लागू करते हुए बार काउंसिल उत्तर प्रदेश ने लखनऊ के अधिवक्ता सुशील कुमार पर कड़ी कार्रवाई की है काउंसिल ने उन्हें 10 वर्षों के लिए निलंबित करते हुए पूरे देश में वकालत करने से रोक दिया है बार काउंसिल के आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान अधिवक्ता सुशील कुमार न तो भारत के किसी भी न्यायालय में न किसी प्राधिकरण के समक्ष और न ही किसी व्यक्ति के लिए वकालत का कार्य कर सकेंगे आदेश की प्रमाणित प्रति माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश लखनऊ लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और शिकायत के दोनों पक्षों को भेजने के निर्देश दिए गए हैं आदेश में अधिवक्ता की पहचान सुशील कुमार रावत पुत्र श्री राम।निवासी कल्ली पश्चिम थाना पीजीआई लखनऊ नामांकन संख्या वढ05802/2016 के रूप में दी गई है वह फिलहाल जिला लखनऊ बार में सक्रिय रूप से कार्यरत थे यह मामला अधिवक्ता की पत्नी की शिकायत पर शुरू हुआ शिकायत में पत्नी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सुशील कुमार ने एक के बाद एक तीन शादियां कीं आरोप है कि हर बार शादी के बाद पत्नी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंत में मारपीट कर घर से निकाल दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार यह केवल घरेलू विवाद नहीं बल्कि सुनियोजित ढंग से किए गए धोखे और हिंसा के मामले हैं बताया गया कि तीनों पत्नियों ने अलग-अलग समय पर अधिवक्ता के खिलाफ दहेज उत्पीड़न मारपीट, और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में थाना पीजीआई में मुकदमे दर्ज कराए हैं बार काउंसिल ने मामले की गंभीरता और अधिवक्ता आचरण संहिता के उल्लंघन को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया काउंसिल के सूत्रों के अनुसार यह फैसला वकालत पेशे में गरिमा और अनुशासन बनाए रखने के लिए एक मिसाल के तौर पर लिया गया है एक वरिष्ठ वकील ने नाम न छापने की शर्त पर कहा बार काउंसिल का यह निर्णय उन सभी अधिवक्ताओं के लिए चेतावनी है जो अपने पेशेवर और व्यक्तिगत आचरण में मयार्दा का पालन नहीं करते कानूनी जानकारों का मानना है कि यह आदेश न केवल आरोपी अधिवक्ता के लिए बल्कि पूरे वकालत समुदाय के लिए एक सख्त संदेश है कि वकालत की गरिमा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और पेशेवर नैतिकता का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।

सर्विस लेन के किनारे मिला युवक का शव

रविवार सुबह घर से निकले युवक का शव किसान पथ सर्विस लेन के किनारे झाड़ियों में मिला,हत्या की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए, पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के किसान पथ की सर्विस लेन के किनारे रविवार शाम झाड़ियों में एक मजदूर का शव मिलने की सूचना से सनसनी फैल गयी।परिजनों से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पीजीआई कोतवाली पुलिस ने, फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया और साक्ष्य जुटाए, उपरांत शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं।मृतक के भाई राजकुमार निवासी कल्ली पश्चिम, पीजीआई लखनऊ ,ने बताया कि मृतक का नाम रमेश गौतम 32 वर्ष है और निवासी कल्ली पश्चिम का निवासी है। मृतक अपनी 6वर्ष की बेटी के साथ अपने घर में रहता था।और मजदूरी करता था।आपसी विवाद के बाद उसकी पत्नी कई साल पहले छोड़कर चली गयी थी,जब बेटी दीपिका एक महीने की थी।बड़े भाई राजकुमार का कहना है कि उसके भाई की हत्या की गई है।वहीं बेटी दीपिका ने बताया कि उसके पिता रविवार सुबह करीब 9 बजे कल्ली पश्चिम के ही रहने वाले सुनील और रंगा के साथ गए थे फिर नहीं लौटे।भाई ने हत्या कर शव फेके जाने की आशंका जताई हैं।इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला शराब पीने से मौत का लग रहा है,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है रिपोर्ट आने पर मामला साफ हो जाएगा और उसी के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है जांच की जा रही है। अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

चोरों ने गेट तोड़कर घर में घुसने की करी कोशिश

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके में एक घर में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। यहां न्यू गुड़ौरा, वास्तुम सिटी निवासी दीप कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक देर रात करीब 1:30 से 2:30 बजे के बीच मेन गेट तोड़कर तीन अज्ञात लोगों ने घर में घुसने की कोशिश की। उस दौरान दीप कुमार और उसका परिवार सो रहे थे। इस बीच तीनों चोर घर का मुख्य दरवाजा तोड़ने लगे। दीप कुमार का कहना है कि खटपट की आवाज सुनकर उसने सीसीटीवी कैमरे में देखा। उन्होंने शोर मचाया जिससे आरोपी भाग गए।इसके बाद उन्होंने तुरंत 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने तक दीप कुमार ने आसपास के लोगों को भी फोन किया, जिससे मोहल्ले के लोग बाहर निकल आए। पीड़ित ने अपने और परिवार की सुरक्षा को देखते हुए थाना सरोजनीनगर में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने का आश्वासन दिया है।

बेखौफ चोरों ने 16 केवी डीजी बॉक्स का ताला तोड़कर जनरेटर की बैटरी करी चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर में बेखौफ चोरों ने बीती रात 16 केवी डीजी बॉक्स का ताला तोड़कर जनरेटर की बैटरी चोरी कर ली। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने सरोजनी नगर थाने में मामले की तहरीर दी है। सरोजनी नगर के जयराज पुरी निवासी विनोद कुमार के मुताबिक उन्होंने यूनियन बैंक आफ इंडिया की सरोजनी नगर शाखा में एक जनरेटर किराए पर दे रखा है। बैंक परिसर के बाहर 16 केवी का डीजी बॉक्स लगा है। विनोद का कहना है कि इसी डीजी बॉक्स का ताला तोड़कर शनिवार देर रात चोरों ने जनरेटर की बैटरी चोरी कर ली। विनोद के मुताबिक बैटरी की यह चोरी दोबारा हुई है। करीब 15 दिन पहले भी यहां यह घटना हो चुकी है। विनोद का कहना है कि तब उसी समय इसकी सूचना शाखा प्रबंधक को दी गई थी। फिलहाल पीड़ित विनोद की तहरीर पर सरोजनी नगर पुलिस सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

आरपीएफ के पूर्व हेड कांस्टेबल की बाइक चोरी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में एक चोर फढऋ के पूर्व हेड कांस्टेबल के घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। यह घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में एक युवक पीला कुर्ता और हेलमेट पहने पैदल आता और बाइक ले जाता साफ दिखाई दे रहा है।अयोध्या जनपद के मूल निवासी अजय कुमार द्विवेदी वर्तमान में अपने परिवार के साथ सेक्टर 16 स्थित ईश्वरी खेड़ा में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर लगभग ढाई बजे उनका बड़ा बेटा छोटे बेटे को स्कूल से लेकर घर आया था। उसने घर के बाहर बाइक खड़ी की और खाना खाकर सो गया।शाम को जब वह कोचिंग जाने के लिए बाहर निकला तो देखा कि बाइक गायब थी। आसपास काफी खोजबीन करने के बाद भी कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद घर आकर सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पता चला कि एक युवक पैदल आया और बाइक चोरी कर ले गया।पीड़ित ने रविवार को पीजीआई कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत करी है। पुलिस ने चोर की तलाश शुरू कर दी है।

अभावों के कारण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रही थी मासूम, डॉक्टर संदीप ने बढ़ाये हाथ

अमन लेखनी समाचार

झांसी।ज्यादा दिन नहीं हुये, जब लखनऊ में एक बेटी ने अपनी शिक्षा के लिए जनता दरबार में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से गुहार लगाई थी और मुख्यमंत्री ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए फीस का अभाव होने के बाद भी उस बेटी का एडमिशन स्कूल में कराया था। कुछ ऐसा ही नजारा आज झांसी में संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में देखने को मिला, जहां शिक्षा पाने के लिए आतुर एक बेटी को आर्थिक अभाव के चलते पढ़ने के लिए संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष तथा वरिष्ठ समाज सेवी डॉक्टर संदीप सरावगी ने हाथ थामकर शिक्षा से संबंधित संसाधन उपलब्ध कराये। दरअसल, शिक्षा जीवन का एक ऐसा हथियार है, जिसके सहारे प्रगति हर तरह से हासिल की जा सकती है। शिक्षा के अभाव में प्रतिभा होने के बाद भी प्रतिभाओं को दम तोड़ना पड़ जाता है और उनकी प्रगति का रास्ता रुक जाता है। यह पूरा मामला सागर गेट में रहने वाली गरिमा जोशी का है, जो वर्तमान में बलदेव भाई पटेल जूनियर हाई स्कूल में कक्षा एक में पढ़ रही है। गरिमा को पढ़ने की ललक है। साक्षर बनने के बाद कुछ बड़ा बनने के उसके सपने हैं, लेकिन उसके सामने आर्थिक अभाव सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ा हो जाता है। दरअसल, गरिमा के पिता अरविंद जोशी दिव्यांग है। शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर है। हालांकि अरविंद एक बेहतर क्रिकेट खिलाड़ी भी है, जो दिव्यांग टीम से कई प्रतिस्पर्धा में भाग ले चुके हैं। गरिमा आगे पढ़ना चाहती है, लेकिन अरविंद अपनी दिव्यांगता के कारण उसे आगे पढाने में खुद को बेबस समझ रहे हैं। आज जब अरविंद अपनी बेटी गरिमा जोशी को लेकर संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर पहुंचकर डॉक्टर संदीप सरावगी से मिले और उन्हें गरिमा की पढ़ने की इच्छा के बारे में बताया, तो डॉक्टर संदीप ने तत्काल बिना देर किए गरिमा को पढ़ाई से संबंधित सारे संसाधन उपलब्ध कराए। कॉपी किताबों से लेकर स्कूल की ड्रेस, जूते मौजे आदि कोई भी एक चीज डॉक्टर संदीप ने नहीं छोड़ी, जो गरिमा को उपलब्ध नहीं कराई गई हो। इस अवसर पर डॉक्टर संदीप ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित होना बेहद आवश्यक है। जब प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित होगा, तो संपूर्ण समाज शिक्षित होगा और जब संपूर्ण समाज शिक्षित होगा, तो संपूर्ण देश शिक्षित होगा। सर्वांगीण विकास वही देश कर सकता है, जो पूरी तरह से शिक्षित हो, इसलिए हर एक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह एक-एक बच्चे को पूरी तरह से साक्षर बनाएं। पढ़ने लिखने में आ रही बाधाओ को दूर करने की भरसक कोशिश करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भी जो भी बच्चे शिक्षा से वंचित हैं, वह उनसे संपर्क कर सकते हैं। वह अपनी तरफ से बच्चों को शिक्षित करने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। किसी भी बच्चे को संघर्ष सेवा समिति कार्यालय से निराश होकर नहीं लौटना पड़ेगा। इस दौरान ओ.पी यादव, सूरज वर्मा, मुकेश यादव, अनिल कुमार, आनंद चौहान, बसंत गुप्ता, संदीप नामदेव, मीना, सुशांत गुप्ता, राहुल, हर्षित, अनुज, आशीष विश्वकर्मा, महेंद्र, दीक्षा साहू आदि सहित संघर्ष सेवा समिति के तमाम सदस्य मौजूद रहे डॉ संदीप सरावगी के गरिमा के प्रति स्नेह तथा मदद के लिए गरबा के पिता ने उनका आभार जताया।

बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने कुचला, दोनों की मौत

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। थानाक्षेत्र के नरायनपुर के निकट हाईवे पर ढाबे पर खाना खाने गए दो बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया।जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। कस्बे के वार्ड संख्या आठ निवासी जितेंद्र कुमार (28) अपने साथी बांकी निवासी ज्ञानेंद्र दीक्षित (25) के साथ बिना हेलमेट लगाए बाइक से शनिवार की रात करीब 11:00 बजे नरायनपुर के पास संचालित प्रेम इलायची ढाबा में खाना खाने के लिए गए थे। लेकिन ढाबा बंद होने से यह बाइक को वापस मोड़ने लगे। तभी अज्ञात वाहन ने इन्हें रौंदता हुआ निकल गया। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जितेंद्र कुमार कस्बे के मैथिलीशरण मार्ग में संचालित पप्पू कॉस्मेटिक की दुकान में काम करता था। जबकि ज्ञानेंद्र संजय कपड़े वाले के यहां काम करता था। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है

पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली चुराने वाले दो चोरों सहित एक कबाड़ी को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चोरी हुए ट्रैक्टर ट्राली के मामले में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो चोरों और एक कबाड़ी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के ट्रैक्टर ट्राली के अलावा चोरी की दो बाइकें भी बरामद की है। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर महादेवन के मुताबिक बीती 2 अगस्त को थाना क्षेत्र के औरंगाबाद जागीर में रहने वाली कलावती ने ट्रैक्टर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे चोरों की तलाश कर रही थी। तभी शनिवार 9 अगस्त को सुबह मुखबिर से पता चला कि ट्रैक्टर चोरी करने वाले लोग बंथरा में जुनाब गंज तिराहे के पास मौजूद हैं। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने वहां से तीन लोगों को धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में एक ने अपना नाम गोसाईगंज थाना क्षेत्र के सुरियामऊ, नया पुरवा निवासी राम तेज यादव उर्फ रिंकू, दूसरे ने सिद्धार्थनगर जिले के त्रिलोकपुर थाना अंतर्गत मुल्ला मिशिर का रहने वाला जयप्रकाश कश्यप और तीसरे ने गोसाईगंज के ही रसूलपुर तिकोनिया मऊ निवासी दीपक कुमार बताया। पुलिस ने बताया कि इनके पास से औरंगाबाद जागीर से चोरी हुए कलावती के सोनालीका ट्रैक्टर ट्राली के अलावा दो बाइकें भी बरामद हुई। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वह रेकी कर लखनऊ और कानपुर आदि स्थानों पर मौका पाकर घर के बाहर खड़े वाहनों को चोरी कर उन्हें जुनाबगंज में स्थित कबाड़ी जयप्रकाश की दुकान पर कटवा कर बेच देते हैं। पुलिस ने बताया कि उनके पास से बरामद बाइक होंडा लीवो (यूपी78 जीवी 9738) कानपुर के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र से चोरी की गई पाई गई। जबकि दूसरी बाइक अपाचे (यूपी 32 एमए 9447) बंथरा इलाके से चोरी की गयी निकली। पूछताछ में पता चला कि तीनों ने मिलकर औरंगाबाद से चोरी हुए ट्रैक्टर ट्राली का रंग बदलकर ट्राली को दीपक यादव ने 35000 रुपए में अपने पास रख लिया जबकि ट्रैक्टर और दोनों बाइकों को जयप्रकाश की दुकान पर कटवा कर उनके बेचने के उद्देश्य से इकट्ठा हुए थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया की तीनों शातिर चोर हैं। इसमें से कबड्डी जयप्रकाश के ऊपर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पहले से चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं, जबकि राम तेज उर्फ रिंकू यादव खिलाफ गोसाईगंज, गोमती नगर और बीबीडी थाने में दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक पहले यह दोनों मिलकर चोरी कर वाहन को काट कर बेचते थे। अब इन्होंने दीपक यादव को भी अपने साथ शामिल कर लिया था। फिलहाल पुलिस ने बरामद वाहन कब्जे में लेकर तीनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

बीच बचाव के दौरान धक्का लगने से सिर में लगी चोट, अस्पताल में हुई मौत

मृतका भाई को राखी बांधने ससुराल से आई थी मायके

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। रविवार को कस्बे के इमिलिया थोक में दो युवकों के मध्य हुए विवाद के बाद उलाहना देते समय पुनः विवाद होने लगा विवाद बढ़ता देखकर राखी बांधने आई विधवा बहन बीच बचाव करने लगी। बीच बचाव के दौरान दूसरे पक्ष की महिलाओं ने उसे धक्का दे दिया। इससे वह चबूतरे से टकराकर घायल हो गई। उपचार के लिए परिजनों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया हालत गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

इमलिया थोक निवासी महेश कुटार ने बताया कि शराब पीने के बाद उसका विजय विश्वकर्मा से विवाद हो गया। विवाद के बाद वह घर चला गया इससे नाराज होकर विजय अपनी पत्नी रानी, भाई की पत्नी आशा देवी एवं अन्य परिजनों के साथ मेरे घर उलहना देने पहुंचा। यहां पर पुनः विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर मेरी बहन उर्मिला देवी 55 बीच बचाव करने लगी इसी दौरान विजय की पत्नी एवं उसके भाई की पत्नी ने उसे धक्का दे दिया। धक्का लगने पर वह मकान के बाहर बने चबूतरे से टकरा गया गई और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश होकर गिर पड़ी इसको उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत गंभीर होने पर इसको सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में इसकी मौत हो गई। मृतका बांदा जनपद के मनीपुर गांव में ब्याही है और विधवा थी। शनिवार को सुबह यह भाई को राखी बांधने ससुराल से मायके आई थी तभी यह हादसे का शिकार हो गई। फैक्ट्री एरिया पुलिस चौकी इंचार्ज राजवीर सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है मिलने पर कार्यवाही होगी।

फालोअप : एक ही स्थान पर खूनी हाइवे ने 23 दिन में ली पांच जिंदगी, दो को किया अपाहिज

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। नेशनल हाइवे 34 में जिस जगह पर बीती रात दो युवकों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचला है उस स्थान पर 23 दिन के अंदर वाहनों की टक्कर से पांच मौतें हुई हैं। इसके बाद इस खूनी हाइवे में इस स्थान पर दुर्घटनाएं रोकने के किसी तरह के इंतजाम नहीं कराए गए हैं नेशनल हाईवे 34 नरायनपुर गांव के मध्य से गुजरा है। बस्ती के अंदर दोनों तरफ ऊंचाई से नाला बना हुआ है। कस्बे से हमीरपुर की ओर जाते समय बस्ती शुरू होने के पहले बाएं हाथ पर प्रेम इलायची ढाबा है। इसी ढाबा के समीप अक्सर घटनाएं होती हैं। 18 जुलाई से लेकर 10 अगस्त तक पांच युवक जान से हाथ धो बैठे हैं जबकि दो घायल होकर उपचार करा रहे हैं। गत 17 जुलाई की रात को कस्बा निवासी सुंदरम गुप्ता 20 वर्ष की मौत हुई थी। इसका साथी राज ठाकुर 22 वर्ष घायल हुआ था। दोनों बाइक में थे। इसी तरह 25 जुलाई को मौदहा क्षेत्र के मांचा गांव निवासी अफसर खान की तेज रफ्तार बाइक ई रिक्शा से टकरा गई थी। इलाज को ले जाते समय इसकी भी मौत हो गई थी। गत 2 अगस्त को मौदहा कस्बे के हैदरगंज निवासी नसीम उर्फ बबलू 30 वर्ष अपने साथी आरिश खान के साथ बाढ़ देखकर वापस बाइक से लौट रहे थे। इसी जगह पर रोडवेज बस ने टक्कर मार दी थी। इस घटना में बबलू की मौत हो गई और आरिश घायल हो गया था। शनिवार को रात 11 बजे जीतेंद्र प्रजापति एवं ज्ञानेंद्र दीक्षित प्रेम इलायची ढाबा खाना खाने गए थे। रक्षाबंधन पर्व के चलते ढाबा बंद था। जैसे ही इन्होंने वापस आने के लिए बाइक को हाइवे में कस्बे की तरफ मोड़ा। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आकर जान गंवा बैठे और बाइक चकनाचूर हो गई। मृतक जीतेंद्र प्रजापति दो भाइयों में छोटा था और कॉस्मेटिक की दुकान में नौकरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक की शादी 6 वर्ष पूर्व माया के साथ हुई थी। इसके एक पुत्री सृष्टि 4 वर्ष है। यह अपने पीछे पत्नी, पुत्री, भाई प्रमोद कुमार, वृद्ध पिता समलिया एवं मां मद्दी को रोता बिलखता छोड़ गया है इसी तरह बांकी निवासी ज्ञानेंद्र दीक्षित तीन भाइयों में सबसे छोटा था और कपड़े की दुकान में नौकरी करके परिवार का सहयोग करता था। इसकी शादी नहीं हुई थी। यह अपने पीछे पिता चंद्रभान दीक्षित, भाई राजू दीक्षित, मां शशि दीक्षित को रोता बिलखता छोड़ गया है। दोनों का अंतिम संस्कार शाम को पोस्टमार्टम के बाद किया गया। अचानक हुई इस घटना से दोनों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है

गेहूं निकलते समय करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र के ग्राम सिसोलर में अनाज रखने वाली बखरी से गेहूं निकलते समय करंट की चपेट में आकर एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। सिसोलर पुलिस ने मृतक के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है थाना क्षेत्र सिसोलर निवासी आशीष कुमार 24 वर्ष पुत्र साधू वाल्मीक शनिवार की रात अपने घर के कमरे में रखी अनाज रखने वाली बखारी से गेहूं निकालने के लिए पहुंचा और जैसे ही बखारी का ढक्कन खोलने का प्रयास किया तभी वह फर्श पर गिरकर तड़पने लगा यह देख वह मौजूद उसकी बड़ी बहन ने उसे पकड़ना चाहा तो उसे करंट का झटका जैसा महसूस होने पर उसने बखारी के बगल में चल रहे फरार्टा पंखे का तार हटा दिया और शोर मचा परिजनों को बुलाया। आशीष की हालत देख उसके परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से उसे आनन -फानन सरकारी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। वह चार बहनों व दो भाइयों में सबसे छोटा था। वह खेती-बाड़ी में अपने पिता का सहयोग करने के अलावा गांव में मजदूरी भी कर लेता था।उसके हसमुख व मिलनसार होने के चलते उसकी मौत से गांव में शॉप का माहौल है।सिसोलर थाना प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मांडल इण्जीटर कालेज में विज्ञापन शो का आयोजन

वन के लिए जरूरी है उर्जा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। ऊर्जाः मानव जाति की जीवन रेखा विषय पर सचल विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान शो का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज, टेढ़ा में किया गया आंचलिक विज्ञान नगरी लखनऊ से आई टीम द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रचार प्रसार हेतु टीम द्वारा विज्ञान शो,विज्ञान फिल्म शो दिखाकर विद्यार्थियों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज टेढा के प्रधानाचार्य डॉ. राजेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को सचल विज्ञान प्रदर्शनी बस में लगे 20 मॉडलो का प्रयोग कर नवीन एवं नवप्रवर्तन सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने की अपील की।इस कार्यक्रम में विद्यालय के आलोक पाठक, उमाशंकर, कमल सिंह, गौरव तिवारी, पवन कुमार, दुर्गेश पाण्डेय, प्रवेश कुमार, श्रीकृष्ण कुमार,दीपेश कुमार व प्रमोद कुमार आदि शिक्षक और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।इस अवसर पर जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डॉ.जीके द्विवेदी ने बताया कि आयोजित वैज्ञानिक कार्यक्रम से विज्ञान सम्बन्धी गतिविधियों के साथ ही आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ की गतिविधियों कि जानकारी प्राप्त हुयी।

सपाइयों ने कार्यालय में मनाई फूलन देवी की जयंती

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष इदरीश खान की अध्यक्षता में पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पर उनके चित्र पर फूल माला अर्पित करके उनके संघर्षों को याद किया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बुंदेलखंड के सरजमी में पैदा हुई इस वीरांगना ने अत्याचार के विरुद्ध बचपन से संघर्ष करते हुए। लोकसभा तक सफर तय किया इस मौके पर वरिष्ठ सपा नेता शुभकरण सिंह परिहार, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राम प्रकाश प्रजापति, चंद्रवती वर्मा, प्रदेश सचिव मुन्नीलाल निषाद, महिला सभा की जिलाध्यक्ष नीलम यादव, गोकुल राजपूत, हरनारायन निषाद, राघवेंद्र यादव, रणबहादुर, मुलायम सिंह लोधी, मुहम्मद सलीम, जगमोहन, परशुराम प्रजापति, मुहम्मद जुनैद, अभय प्रताप सिंह, रामखिलावन प्रजापति, विकास यादव आदि सपाई मौजूद रहे

राखी बांधने जा रही महिला का फोन बदमाश ने छीना

महिला और ट्रैफिक पुलिस ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के उतरटिया अंडर पास के निकट शनिवार को अपने दो बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व पर मायके जा रही महिला का मोबाइल फोन बदमाश ने छीन लिया और भाग निकला, महिला ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया,यातायात व्यवस्था संभाल रहे सजग पुलिस कर्मियों ने आरोपी पकड़ लिया।पीड़िता सुशीला सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र स्थित लुलु मॉल के पास रहती है। उन्होंने बताया कि वह शनिवार सुबह उतरटिया आई, फिर यहां बस के इंतजार में खड़ी थी,साथ में उनके दो छोटे बच्चे भी थे।उन्हें रायबरेली में रहने वाले भाई को राखी बांधने के लिए जाना था।तभी घात लगाए बदमाश ने मोबाइल फोन छीन लिया।वह शोर मचाते हुए उसके पीछे भागी,तभी सजग यातायात पुलिस कर्मियों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया, और पीजीआई कोतवाली पुलिस को सौंप दिया।स्थानीय लोगों ने बताया कि इस जगह पर अक्सर छीनैती की घटनाएं होती हैं, जिसमें पुलिस मामले को छिपाने का प्रयास करती रही है,जिससे अपराध बढ़े हैं इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सनम पिता का नाम दीपक निवासी उत्तराखंड बताया है, आरोपी नशेड़ी है,उसने बताया कि वह अपनी बहन के बलिया जा रहा था,महिला अपना मोबाइल फोन लेकर चली गई, और उन्होंने कोई तहरीर नहीं दी है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

आवरण कथा
ओम निश्चल

79वां स्वतंत्रता दिवस

आजादी की फलश्रुति

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है- *यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है-

तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछः सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको-आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विक्षुब्ध कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हमः यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्यः इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिकाः हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजाद हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर

हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि
लोकमित्र गौतम

ढाई शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श परः हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्षः जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगेः साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रमः 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियांः हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार
शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी

स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनता की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनियाः हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैलीः हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्वः मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाबः नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

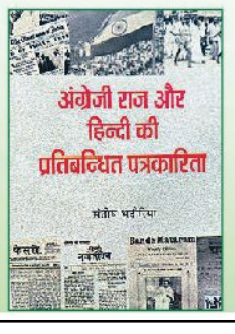

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताबः अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखकः** संतोष भदौरिया, **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज